राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 06 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-40 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिवराज टॉपर्स को देंगे 51 हजार तक सम्मान राशि

विदिशा(एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज गुरुवार 5 मार्च को 66 साल के हो गए हैं। उनके समर्थक शिवराज के जन्मदिन को प्रेम सेवा संकल्प दिवस के रूप में मना रहे हैं।शिवराज ने अपने 66वें जन्मदिन पर भोपाल के स्मार्ट पार्क में परिवार के साथ पौधारोपण किया। यहां मीडिया से कहा कि वे आज 5 संकल्प ले रहे हैं। ये पर्यावरण, सेवा, सहायता, शिक्षा और प्रतिभा प्रोत्साहन से जुड़े हैं। भोपाल में पौधारोपण करने के बाद शिवराज, पत्नी साधना सिंह के साथ विदिशा पहुंचे। रवींद्रनाथ टैगोर संस्कृति भवन में मामा कोचिंग क्लासेस की शुरूआत की। इस कोचिंग में कंपटीटिव एग्जाम की तैयारी कराई जाएगी। बैंकिंग, SSC, MPPSC, DRDAऔर फॉरेस्ट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त तैयारी कराई जाएगी। कोचिंग ऑनलाइन भी होगी ताकि जो छात्र सेंटर तक नहीं आ पा रहे हैं, वे अपने घर पर रहकर इसका फायदा ले सकें। विदिशा, रायसेन और भैरूंदा में 100-100 स्टूडेंट्स का पहला बैच जल्द शुरू होगा। इसके लिए आज से ही फार्म भरे जा रहे हैं। क्यूआर कोड स्कैन करके पंजीयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अंतिम तिथि 30 मार्च है। इसके बाद एक एंट्रेंस एग्जाम आयोजित किया जाएगा, जिसमें से 100 योग्य बच्चों का चयन किया जाएगा और उन्हें कोचिंग दी जाएगी।

बेंगलुरु- सॉफ्टेयर इंजीनियर महिला ने सुसाइड किया

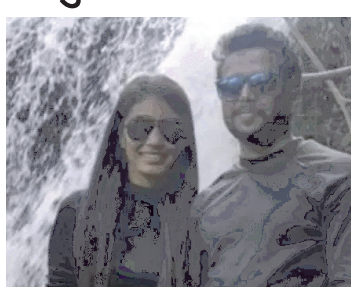

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में महिला ने सास से झगड़ा होने पर सुसाइड कर लिया। घटना 4 मार्च को नॉर्थ बेंगलुरु के इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि 35 साल की मृतक महिला सुषमा आईटी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी। सुषमा की 5 साल पहले पुनीत कुमार से शादी हुई थी, दोनों का 4 साल का बेटा भी है। पुलिस ने बताया कि सुषमा और उसकी सास के बीच अक्सर खाना बनाने को लेकर झगड़ा होता था। पारिवारिक झगड़ों के कारण सुषमा तनाव में रहती थी। बुधवार को सुषमा ने अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुषमा के परिवारवालों ने सुसराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है। इसके बाद उसके पति पुनीत को गिरफ्तार किया गया है। सुषमा के पिता प्रभाकरमूर्ति ने बेटी के सुसरालपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि बेटी से हर रोज झगड़ा किया जाता था। यह एक दिन का मामला नहीं था। बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि जब सुषमा की शादी हुई थी। तब हमने दहेज में ₹10 लाख कैश और गोल्ड दिया था। बेटी पहले नौकरी करती थी, शादी के बाद उसने जॉब छोड़ी थी। उसने एक कार भी खरीदी थी। पुलिस ने कहा कि बेंगलुरु में एक ही हफ्ते के भीतर यह किसी टेक प्रोफेशनल की आत्महत्या का दूसरा मामला है।

हर साल भर्ती होंगे 14000 कर्मी

दिल्ली मेट्रो के 70 लाख यात्रियों सहित रोजाना एक करोड़ लोगों की सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गत वर्ष केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की अधिकृत अधिकतम संख्या को 02 लाख से बढ़ाकर 2.2 लाख कर्मियों तक करने की मंजूरी दी है। अगस्त 2025 में स्वीकृत यह 10 प्रतिशत की वृद्धि हवाई अड्डों, बंदरगाहों और औद्योगिक केंद्रों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। अगले पांच वर्षों तक प्रतिवर्ष लगभग 14000 कर्मियों की भर्ती की जाएगी। सीआईएसएफ द्वारा दिल्ली मेट्रो के 70 लाख यात्रियों सहित रोजाना एक करोड़ लोगों की सुरक्षा की जा रही है। इस संख्या में हवाई अड्डे पर 15 लाख यात्री और तैनाती की अन्य इकाइयों में 15 लाख लोग भी शामिल हैं। सीआईएसएफ का 57वें रेजिंग डे, जो बल के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, मुंडली कटक में छह मार्च को आयोजित किया जा रहा है, से पहले गुरुवार को डीजी सीआईएसएफ प्रवीर रंजन ने यह जानकारी दी है। सीआईएसएफ रेजिंग डे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, परेड की सलामी लेंगे। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 की अवधि के दौरान, सीआईएसएफ को 10 इकाइयों में शामिल किया गया है। पिछले 57 वर्षों में, सीआईएसएफ की क्षमता और सामर्थ्य में कई गुना वृद्धि हुई है। मौजूदा समय में दो लाख कर्मियों की संख्या के साथ, सीआईएसएफ 25 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 361 महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करती है। इनमें 71 हवाई अड्डे, दिल्ली मेट्रो रेल, 10 रसायन एवं उर्वरक संयंत्र, 105 विद्युत संयंत्र, 18 परमाणु प्रतिष्ठान, अंतरिक्ष विभाग के 16 प्रतिष्ठान, भारत सरकार के प्रमुख मंत्रालयों वाले 47 सरकारी भवन, 15 बंदरगाह, 6 रक्षा इकाइयाँ, 36 तेल एवं प्राकृतिक गैस इकाइयाँ, 17 इस्पात संयंत्र और 10 कोयला खदानें, 9 निजी क्षेत्र आदि शामिल हैं। सीआईएसएफ का विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) 156 से अधिक संरक्षित व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

रिमोट पायलट प्रशिक्षण संगठन की स्थापना को मंजूरी

हवाई सुरक्षा, जिसे उच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखा गया है, के मद्देनजर सीआईएसएफ ने एमपीआरटीसी बहरोर में ड्रोन प्रशिक्षण और ड्रोन-रोधी क्षमता प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ड्रोन संचालन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों के प्रशिक्षण के लिए रिमोट पायलट प्रशिक्षण संगठन (आरपीटीओ) की स्थापना को मंजूरी दे दी है। सीआईएसएफ को महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर हवाई खतरे के लिए नोडल एजेंसी नामित किया गया है। विमानन सुरक्षा के तहत उन्नत फुल बॉडी स्कैनर, वीडियो विश्लेषण, साइबर सुरक्षा के लिए साइबर कमांडो, आदि मुहैया कराए जा रहे हैं। सीसीटीवी वीडियो विश्लेषण और एआई/एमएल का उपयोग करके डेटा विश्लेषण के साथ एकीकृत उन्नत कमांड सेंटर विकसित किया गया है।

पीएम मोदी बोले: इजराइल-ईरान जंग जल्द खत्म हो

सैन्य संघर्ष किसी समस्या का समाधान नहीं, ईरान में अब तक 1000 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली में मिडिल ईस्ट और यूक्रेन में जारी जंग को जल्दी खत्म करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सैन्य संघर्ष से कोई भी मसला हल नहीं हो सकता। भारत सभी विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और शांति स्थापित करने की कोशिशों का समर्थन करता रहेगा। पीएम ने यह बात फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद कही। उन्होंने कहा कि भारत और फिनलैंड दोनों ही कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। हम इस बात पर सहमत हैं कि सिर्फ सैन्य संघर्ष से कोई भी समस्या हल नहीं हो सकती। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छह दिनों से जंग जारी है। अल जजीरा के मुताबिक, इस संघर्ष में अब तक 5000 से ज्यादा बम गिराए हैं। वहीं 20 ईरानी वॉरशिप को डुबो दिया है। इन हमलों में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। ईरान ने भी पलटवार करते हुए मिडिल ईस्ट के 9 देशों में बने अमेरिकी बेस पर हमला किया है। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब बुधवार को चार दिवसीय भारत दौरे पर आए हैं। इस दौरे का उद्देश्य व्यापार, निवेश और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाना है। बैठक में दोनों देशों ने डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने भारत-फिनलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक आगे बढ़ाने पर चर्चा की। मोदी ने कहा, 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 6जी टेलीकॉम, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे हाई-टेक क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देश आगे बढ़ेंगे। भारत-यूरोपीय फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) भारत और फिनलैंड के बीच व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को और मजबूत करेगा। राष्ट्रपति स्टब ने आयरनमैन ट्रायथलॉन पूरा किया है, जो बेहद कठिन प्रतियोगिता मानी जाती है। फिनलैंड के राष्ट्रपति स्टब ने भारत की विदेश नीति और आर्थिक प्रगति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया को थोड़ा और भारतीय बनने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और सबसे प्रभावशाली देशों में से एक है। यूरोप के लिए भारत एक अहम रणनीतिक साझेदार बन चुका है।

आयरनमैन ट्रायथलॉन के बारे में जानें...

आयरनमैन ट्रायथलॉन दुनिया की सबसे कठिन एक-दिवसीय स्पोर्ट्स प्रतियोगिताओं में गिनी जाती है। इसमें लगातार 3.86 किमी तैराकी, 180 किमी साइक्लिंग और 42.2 किमी मैराथन दौड़ पूरी करनी होती है।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन की शादी, सानिया के साथ लिए फेरे

अमिताभ, अंबानी और जय शाह पहुंचे, धोनी-द्रविड़ भी शामिल हुए

मुम्बई (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की गुरुवार को सानिया चंडोक के साथ मुंबई में शादी हुई। समारोह में अमिताभ बच्चन, मुकेश अंबानी और जय शाह पहुंचे। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी पत्नी साक्षी के साथ आए। वहीं, पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे, सुरेश रैना, हरभजन सिंह भी मौजूद रहे। शादी के फंक्शन 3 मार्च से ही चल रहे हैं। अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक के प्री-वेडिंग फंक्शन 27 फरवरी को गुजरात के जामनगर में अंबानी परिवार के घर में हुए थे। दोनों ने अगस्त 2025 में सगाई की थी। सानिया चंडोक ग्रैविस ग्रुप के चेयरमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन की बहन सारा की करीबी दोस्त भी हैं। सानिया चंडोक मशहूर बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद सानिया लाइमलाइट से दूर रहती हैं। वे मुंबई में ही मिस्टर पॉज पैट स्पा एंड स्टोर एलएलपी (Mr. Paws Pet Spa & Store LLP) की पार्टनर और डायरेक्टर हैं। यह पशुओं की स्किनकेयर, ग्रूमिंग और इससे रिलेटेड प्रोडक्ट्स की सेवाएं देता है। सानिया ने इसकी शुरूआत 2022 में एक लाख रुपए से की थी। सानिया की फैमिली यानी घई परिवार हॉस्पिटैलिटी और फूड वर्ल्ड में जाना-माना नाम है।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने इस्तीफा दिया, विधानसभा चुनाव से पहले बढ़ी हलचल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस फैसले ने राज्य की राजनीतिक हलचल को और तेज कर दिया है। चुनाव से पहले राज्यपाल का पद छोड़ना एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। सीवी आनंद बोस ने 17 नवंबर 2022 को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में पदभार संभाला था। सूत्रों के अनुसार उन्होंने शाम करीब 4 बजकर 55 मिनट पर अपना इस्तीफा दिया। फिलहाल वह दिल्ली में मौजूद हैं और उनके इस्तीफे की आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है। इस इस्तीफे के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में कई तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और ऐसे समय में राज्यपाल का पद छोड़ना राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। हालांकि अब तक न तो राजभवन की ओर से और न ही केंद्र सरकार की ओर से इस फैसले को लेकर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी किया गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले को लेकर और स्पष्ट जानकारी सामने आ सकती है। सीवी आनंद बोस भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी रहे हैं। वह लंबे समय तक प्रशासनिक और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने कई महत्वपूर्ण सरकारी पदों पर काम किया है।

सीएम रेखा ने कश्मीरी गेट के पास नए फुट ओवर ब्रिज की नींव रखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को नए फुट ओवर ब्रिज की नींव रखी। यह फुट ओवर ब्रिज कश्मीरी गेट आईएसबीटी के पास मोनेस्ट्री मार्केट, लद्दाख बुद्ध विहार में बनेगा। सरकार का लक्ष्य पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने खुद शिलान्यास किया। यह कदम दिल्ली सरकार की विकास प्रतिबद्धता दशार्ता है। बाजार क्षेत्र में यातायात का घनत्व बहुत अधिक है। आईएसबीटी के पास पैदल यात्रियों की आवाजाही भी ज्यादा होती है। एक सुरक्षित पुल की आवश्यकता लंबे समय से थी। यह नया पुल यात्रियों को सड़क पार करने में मदद करेगा। इससे दुर्घटनाओं का जोखिम काफी कम हो जाएगा। यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगी।

नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए भरा नामांकन

बोले: नई सरकार को सहयोग रहेगा, गृह विभाग पर ठोका दावा

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को विधानसभा पहुंचकर राज्यसभा कैंडिडेट के लिए नामांकन दाखिल किया। CM के साथ बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, उपेन्द्र कुशवाहा और शिवेश कुमार ने भी नामांकन दाखिल किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। नामांकन के बाद JDU ने गृह विभाग पर अपना दावा ठोका है। अभी ये इखढ के पास है। सम्राट चौधरी बिहार के गृहमंत्री हैं। वहीं, जदयू के सूत्रों के अनुसार सीएम नीतीश ने बेटे निशांत कुमार 8 मार्च (रविवार) को जेडीय जॉइन करेंगे। इसके बाद पार्टी में निशांत के आगे की भूमिका तय की जाएगी। पार्टी के नेता बैठक में इसपर फैसला लेंगे। नीतीश कुमार ने निशांत कुमार के ज्वाइनिंग को लेकर हरी झंडी दे दी है। निशांत की ज्वाइनिंग आज ही होनी थी। इसको लेकर जेडीयू कार्यालय में कार्यकर्ता के लिए भोज का इंतजाम किया गया था। लेकिन राज्यसभा नामांकन कार्यक्रम के कारण ज्वाइनिंग नहीं हुई। इधर, नीतीश के नॉमिनेशन के बाद अमित शाह ने कहा, 'उनका ये कार्यकाल बिहार के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ के रूप में लिखा जाएगा। बिहार के विकास के सारे मायने को उन्होंने गति देने का काम किया। उन्होंने अपने शासनकाल में बिहार को जंगलराज से मुक्त करने का काम किया। उन्होंने न केवल बिहार की सड़कों को गांव तक जोड़ा, उसकी स्थिति में भी सुधार किया। इतने लंबे कार्यकाल में विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री रहते हुए उनके कुर्ते पर कभी दाग नहीं लगा। भ्रष्टाचार का आरोप लगे बिना इतना लंबा राजनीतिक सफर शायद ही किसी ने तय किया हो, जो नीतीश कुमार ने तय किया है। उनका जो कार्यकाल मुख्यमंत्री होने के नाते हैं, उसे बिहार के लोग याद भी करेंगे और उसका सम्मान भी करेंगे। मैं फिर से नितिन नवीन और नीतीश कुमार का राज्यसभा में आने पर स्वागत करता हूं।' नामांकन से पहले नीतीश कुमार ने अपने पर लिखा कि, संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा सपोर्ट रहेगा।' नीतीश के ऐलान पर तेजस्वी यादव ने कहा है कि, बिहार में महाराष्ट्र मॉडल बीजेपी ने लागू किया है। भाजपा ने नीतीश कुमार को इतना टॉर्चर किया कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ रहा है।

मंत्री, विधायक और एमएलसी को भगाया

इधर, सीएम नीतीश के राज्यसभा जाने की खबर मिलने के बाद सुबह से ही कार्यकर्ता सीएम आवास पहुंचने लगे। कार्यकताओं ने कहा कि, नीतीश कुमार बिहार के हैं। उन्हें कहीं नहीं जाने देंगे। हम अपनी जान दे देंगे। CM हाउस के बाहर कार्यकर्ता रोते दिखे। कार्यकताओं ने उट हाउस जा रहे बीजेपी कोटे के मंत्री सुरेंद्र मेहता, खञ्च टछउ संजय गांधी और खञ्च विधायक प्रेम मुखिया को भगा दिया। जदयू दफ्तर में भी गुस्साए कार्यकताओं ने तोड़फोड़ की।

'जनता का पैसा बांग्लादेशी घुसपैठियों में लुटा रहीं ममता

बंगाल में बोले धामी: वोट बैंक के लिए बनाए जा रहे फर्जी दस्तावेज, कांग्रेस-टीएमसी का डीएनए एक

कोलकाता (एजेंसी)। 'पोरिबोर्तन यात्रा' में शामिल होने पश्चिमी बंगाल पहुंचे सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला किया। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा- वोट बैंक के लालच में बंगाल की जनता के हक का पैसा बांग्लादेशी घुसपैठियों में लुटाया जा रहा है। उनके फर्जी दस्तावेज बनाए जा रहे हैं। उनको संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि युवराज देश के बाहर देश को बदनाम करने की कोशिश करते हैं। कांग्रेस और टीएमसी का डीएनए एक ही है। जिनके तीन धागे हैं- भारत विरोधी, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण का समर्थन। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मैं देवभूमि उत्तराखंड से आया हूं। जहां से गंगा मैया निकलती है गंगोत्री। उस स्थल से आज आपके बीच में गंगा के अंतिम छोर गंगासागर की पावन धरती पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भले ही उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की भौगोलिक रूप से बहुत दूरी है, लेकिन मां गंगा का पवित्र प्रवाह हमारे दिलों को जोड़ता है और हम सब को एक सूत्र में बांधने का काम करता है। सीएम ने कहा- बांग्लादेश से 1971 के बाद लगातार बड़ी संख्या में जो शरणार्थी आए। ऊधम सिंह नगर के आस पास सब मेरे घर के आस-पास लाखों की संख्या में शरणार्थी वहां पर हैं।

प्रदेश में 8200 स्कूल बंद हुए

सीएम ने कहा- दिल्ली से जो पैसा जनता की सुरक्षा के लिए भेजा गया था। यहां के विकास के लिए भेजा गया था। तटबंध बनाने के लिए भेजा गया था। आखिर वह कहां चला गया। किसकी तिजोरी में चला गया। उससे किसकी जेब भर गई। हिंगलगंज के मेरे भाई बहन आज भी शुद्ध पानी पीने के लिए तरस गए हैं। 15 साल का शासन हो गया, और शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी बंगाल पूरी तरीके से ध्वस्त है। 8200 स्कूल पूरी तरीके से बंद हो गए हैं। और 10 हजार स्कूल बंद होने के कगार पर हैं। जिस बंगाल ने देश को पूरे तरीके से ज्ञान का प्रकाश दिया, आज उस बंगाल के बच्चों का भविष्य अंधेरे कमरों में सिमट गया है। टीएमसी के शासन में किसान और उद्योग भी तबाह हो गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज्यसभा चुनाव 2026: बदलते समीकरण, नंबर गेम और बिहार की पांचवीं सीट पर सियासी शतरंज

बिहार का उदाहरण इस गणित को स्पष्ट करता है। वहां विधानसभा में 243 सदस्य हैं और इस चरण में पांच सीटों पर चुनाव होना है। सूत्र के अनुसार 243 को 6 से भाग देने पर 40.5 आता है, उसमें एक जोड़ने पर कोटा 41.5 बनता है, जिसे व्यावहारिक रूप से 42 माना जाता है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं। इस आधार पर वह चार सीटें सहजता से जीत सकता है, क्योंकि 202 को 42 से भाग देने पर चार पूर्ण कोटे बनते हैं। इसके बाद उसके पास 38 वोट शेष रहते हैं। पांचवीं सीट के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

साल 2026 का राज्यसभा चुनाव भारतीय राजनीति के लिए केवल नियमित संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन के पुनर्निर्धारण का वर्ष साबित हो सकता है। राज्यसभा की कुल 245 सीटों में से लगभग 72 से 75 सीटें वर्षभर में विभिन्न चरणों में रिक्त हो रही हैं। मार्च में 37 सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं, जबकि शेष सीटों पर अप्रैल, जून, जुलाई और नवंबर में चुनाव होंगे। इन चुनावों का सीधा असर केंद्र की विधायी रणनीति और विपक्ष की प्रभावशीलता पर पड़ेगा, क्योंकि उच्च सदन में बहुमत का समीकरण कई महत्वपूर्ण विधेयकों की दिशा तय करता है।

फरवरी 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सदन में भाजपा के पास 103 सीटें, कांग्रेस के पास 27, तृणमूल कांग्रेस के 12, आम आदमी पार्टी के 10, द्रमुक के 10, बीजद के 7, वाईएसआरसीपी के 5 और अन्नाद्रमुक के 7 सदस्य हैं। सात सदस्य नामित श्रेणी में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की कुल ताकत लगभग 121 के आसपास मानी जा रही है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक करीब 80 सीटों के साथ मौजूद है। मौजूदा विधानसभा संरचनाओं को देखते हुए अनुमान है कि एनडीए को 7 से 9 सीटों का शुद्ध लाभ मिल सकता है, जिससे उसकी संख्या 140 के पार जा सकती है। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन को लगभग पांच सीटों का नुकसान संभव है।

मार्च में जिन 37 सीटों पर चुनाव होंगे, वे महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित हैं। इन राज्यों की विधानसभा संरचना ही परिणामों का आधार बनेगी। राज्यसभा के चुनाव प्रत्यक्ष जनमत से नहीं, बल्कि निर्वाचित विधायकों के वोट से होते हैं। प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और विधायकों की कुल संख्या के आधार पर 'कोटा' तय किया जाता है। सूत्र है—कुल विधायक संख्या को (सीटें + 1) से भाग देकर उसमें एक जोड़ दिया जाता है। यही न्यूनतम मत संख्या है, जो किसी उम्मीदवार को प्रथम वरीयता के आधार पर जीत के लिए चाहिए।

बिहार का उदाहरण इस गणित को स्पष्ट करता है। वहां विधानसभा में 243 सदस्य हैं और इस चरण में पांच सीटों पर चुनाव होना है। सूत्र के अनुसार 243 को 6 से भाग देने पर 40.5 आता है, उसमें एक जोड़ने पर कोटा 41.5 बनता है, जिसे व्यावहारिक रूप से 42 माना जाता है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं। इस आधार पर वह चार सीटें सहजता से जीत सकता है, क्योंकि 202 को 42 से भाग देने पर चार पूर्ण कोटे बनते हैं। इसके बाद उसके पास 38 वोट शेष रहते हैं। पांचवीं सीट के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए। यही वह बिंदु है, जहां सियासी रणनीति और क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं अहम हो जाती हैं।

बिहार में एनडीए के घटक दलों में भाजपा के 89 और जदयू के 85 विधायक हैं। इसके अतिरिक्त लोजपा (रामविलास), हम और अन्य सहयोगियों को मिलाकर संख्या 202 तक पहुंचती है। दूसरी ओर महागठबंधन में राजद के 25, कांग्रेस के 6 और वामदलों के तीन विधायक हैं। इनके अलावा पांच विधायक एआईएमआईएम और एक विधायक बसपा का है, जो किसी खेमे में औपचारिक रूप से शामिल नहीं हैं। महागठबंधन की कुल संख्या 35 है, जो एक सीट के लिए भी पर्याप्त नहीं। यदि विपक्ष एआईएमआईएम और बसपा का समर्थन जुटा ले, तब भी उसे कोटा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता रहेगी। इसीलिए बिहार में पांचवीं सीट का मुकाबला केवल गणित नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक तालमेल का प्रश्न बन गया है।

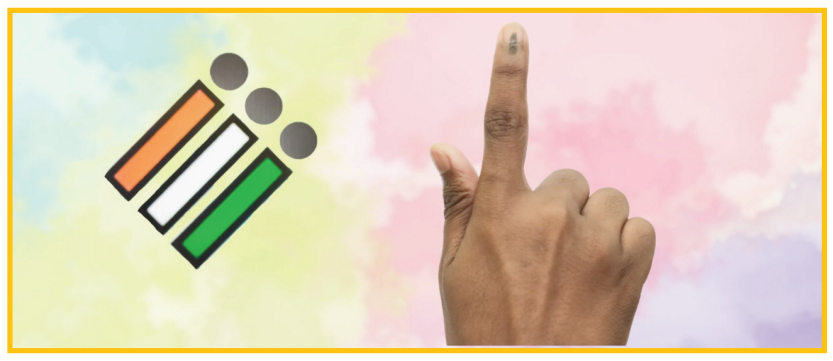

एनडीए की रणनीति स्पष्ट है कि वह चार सुनिश्चित सीटों के बाद पांचवीं पर भी दांव लगाए। इसके लिए बसपा के विधायक, महागठबंधन से जुड़े कुछ असंतुष्ट चेहरों या निर्दलीय समर्थन पर नजर है। वहीं विपक्ष भी यह समझता है कि यदि वह एकजुट होकर एक ही उम्मीदवार उतारे और अतिरिक्त समर्थन सुनिश्चित करे तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। किंतु यदि विपक्षी खेमे से एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में आते हैं, तो प्रथम वरीयता के वोटों के बंटवारे से एनडीए को लाभ मिल सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी यही गणित कई राज्यों में दोहराया जा रहा है। महाराष्ट्र में हालिया विधानसभा परिणामों ने एनडीए को बढ़त दी है, जिससे वहां अतिरिक्त सीट मिलने की संभावना है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी क्षेत्रीय दलों की बदली ताकत का असर दिख सकता है। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में विधानसभा में भाजपा की स्थिति मजबूत होने से विपक्ष की सीटें घट सकती हैं।

कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में सीमित नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है, परंतु कुल मिलाकर संतुलन एनडीए के पक्ष में झुकता दिखाई देता है।

इन चुनावों का एक मानवीय और प्रतीकात्मक पहलू भी है। कई वरिष्ठ नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। कुछ के लिए पुनर्निर्वाचन कठिन प्रतीत हो रहा है, क्योंकि उनकी पार्टियों की विधानसभा शक्ति घटी है। राज्यसभा अक्सर उन नेताओं के लिए मंच रही है जो प्रत्यक्ष चुनाव नहीं लड़ते, किंतु राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहते हैं। यदि विधानसभा गणित अनुकूल न रहा, तो कई अनुभवी चेहरों की वापसी असंभव हो सकती है। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं, बल्कि संसदीय विमर्श की दिशा का भी संकेत होगा।

सत्य आकलन यह दर्शाता है कि राज्यसभा का चुनाव पूर्णतः अंकगणितीय प्रक्रिया है, किंतु राजनीति इसे जीवंत बना देती है। जहां संख्या स्पष्ट है, वहां परिणाम लगभग तय होते हैं; जहां अंतर कम है, वहां रणनीति निर्णायक हो जाती है। 2026 का परिदृश्य बताता है कि एनडीए अपनी बढ़त को और मजबूत करने की स्थिति में है, जबकि विपक्ष को समन्वित रणनीति और आंतरिक एकता पर अधिक ध्यान देना होगा। विशेषकर बिहार जैसे राज्यों में पांचवीं सीट का संघर्ष यह सिद्ध करेगा कि भारतीय संसदीय राजनीति में एक-एक विधायक का महत्व कितना अधिक है।

अंततः, राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता—तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।

(रु103 जलवन्त टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नंदालय हवेली सूरत मो 099749 40324 वरिष्ठ पत्रकार -स्तम्भकार साहित्यकार)

संपादकीय

ईरान-इजरायल युद्ध के बाद विश्व के सामने नया संकट

यह सैन्य संघर्ष जितनी जल्दी थमे, उतना ही पश्चिम एशिया समेत विश्व के लिए अच्छा, लेकिन इसकी सूरत तब बनेगी, जब दोनों पक्ष यह समझेंगे कि वे अपनी ही नहीं चला सकते। ईरान के खिलाफ इजरायल-अमेरिका की संयुक्त सैन्य कार्रवाई फिलहाल किसी नतीजे पर पहुंचती नहीं दिख रही है। न तो इजरायल-अमेरिका के हमले थम रहे हैं और न ही ईरान की जवाबी कार्रवाई। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि ईरान वार्ता के लिए राजी हो गया है, पर ईरानी नेता इससे साफ इन्कार कर रहे हैं। कहना कठिन है कि यह सैन्य टकराव कब और कैसे खत्म होगा, क्योंकि इसके आसार नहीं कि ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत से वहां सत्ता परिवर्तन सुनिश्चित हो गया है। ईरान फिलहाल भले ही नेतृत्व विहीन सा दिख रहा हो, लेकिन उसकी सेना और विशेष रूप से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर अपने कदम पीछे खींचने के लिए तैयार नहीं। वह इजरायल और अमेरिका के ठिकानों को निशाना बनाने के साथ खाड़ी के देशों के नागरिक क्षेत्रों में भी ड्रोन और मिसाइलें दाग रही है। इससे इन देशों में अफरा-तफरी का माहौल है। पता नहीं ईरान पड़ोसी देशों के नागरिक ठिकानों को किस मकसद से निशाना बना रहा है, क्योंकि इससे वह अपने विरोधी तो बढ़ा ही रहा है, पहले से अधिक अलग-थलग भी पड़ता जा रहा है। ईरान जिस तरह ऊर्जा आपूर्ति के मार्गों और विशेष रूप से होर्मुज जल मार्ग के लिए खतरे पैदा कर रहा है, उससे तेल और गैस की आपूर्ति पर असर पड़ना शुरू हो गया है। यह समुद्री जल मार्ग लगभग 25 प्रतिशत तेल और 30 प्रतिशत एलएनजी आपूर्ति का रास्ता है, जो इसे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बनाता है। इस जल मार्ग के बाधित होने का मतलब है तेल और गैस के दाम बढ़ना और एशिया, यूरोप समेत दुनिया के अन्य हिस्सों की अर्थव्यवस्था प्रभावित होना। यह ध्यान रहे कि तेल के दाम बढ़ने शुरू हो गए हैं। यदि वे इसी तरह बढ़ते रहे तो पहले से ही अनिश्चितता से गुजर रही विश्व अर्थव्यवस्था का संकट और बढ़ जाएगा। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ही जिम्मेदार होंगे, क्योंकि यह एक तथ्य है कि इजरायल अमेरिका की सहमति और सहायता के बिना ईरान पर हमला बोलने की स्थिति में नहीं था। इस विनाशकारी सैन्य टकराव का केंद्र बिंदु भले ही पश्चिम एशिया हो, लेकिन उससे पूरा विश्व प्रभावित हो रहा है। कठिनाई यह है कि कोई भी बीच-बचाव करने की स्थिति में नहीं। यह सैन्य संघर्ष जितनी जल्दी थमे, उतना ही पश्चिम एशिया समेत विश्व के लिए अच्छा, लेकिन इसकी सूरत तब बनेगी, जब दोनों पक्ष यह समझेंगे कि वे अपनी ही नहीं चला सकते। ईरान भले ही इजरायल-अमेरिका को सबक सिखाने का दम भर रहा हो, लेकिन वह इन दोनों देशों की सैन्य शक्ति का लंबे समय तक सामना करने की स्थिति में नहीं। इसी तरह अमेरिका और इजरायल के लिए यह आसान नहीं कि वे ईरान में आनन-फानन सत्ता परिवर्तन कर सकें।

मुस्कान के सूत्रधार- सेहतमंद दांत और आपके आत्मविश्वास का राज

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(06 मार्च राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस)

हमारा शरीर एक मशीन की तरह है और हमारे चेहरे की खूबसूरती हमारी मुस्कान से जुड़ी होती है। इस मुस्कान को बनाए रखने और दांतों को बीमारियों से बचाने का पूरा श्रेय हमारे दंत चिकित्सकों यानी डेंटिस्ट को जाता है। हर साल 6 मार्च का दिन विशेष रूप से उन डॉक्टरों को समर्पित है जो बड़ी मेहनत और बारीकी से हमारे दांतों की समस्याओं को ठीक करते हैं। यह दिन केवल डॉक्टरों को शुक्रिया कहने का ही नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि हमारे दांतों की सेहत कितनी जरूरी है। अक्सर लोग छोटी-मोटी बीमारियों के लिए तो डॉक्टर के पास चले जाते हैं, लेकिन दांतों के दर्द को मामूली समझकर टाल देते हैं। सच तो यह है कि हमारे पूरे शरीर की सेहत का रास्ता हमारे मुंह से होकर ही जाता है। अगर हमारा मुंह साफ नहीं होगा, तो शरीर का पूरी तरह स्वस्थ रहना बहुत मुश्किल है।

पुराने समय से ही दांतों का इलाज करने की परंपरा रही है, लेकिन आज के समय में यह तकनीक बहुत आगे बढ़ चुकी है। एक डेंटिस्ट का काम केवल खराब दांत निकालना या कैविटी भरना ही नहीं होता, बल्कि वे एक इंजीनियर की तरह हमारे जबड़े की बनावट को समझते हैं और एक कलाकार की तरह हमारे चेहरे की मुस्कान को सुंदर बनाते हैं। आज के दौर में बहुत से लोग अपने लुक को बेहतर बनाने के लिए डेंटिस्ट की मदद लेते हैं, जिससे न केवल वे सुंदर दिखते हैं बल्कि उनका सामाजिक आत्मविश्वास भी बढ़ता है। आजकल की बिगड़ती जीवनशैली हमारे दांतों की सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है। बाहर का खाना, ज्यादा मीठी चीजें, कोल्ड ड्रिंक्स और तंबाकू का सेवन हमारे दांतों की जड़ों को कमजोर कर रहा है। डेंटिस्ट हमें बार-बार समझाते हैं कि दांतों की ऊपरी परत एक बार खराब हो जाए तो वह कुदरती रूप से दोबारा नहीं बनती।

मसूड़ों से खून आना या सांसों की बदबू जैसी समस्याएं केवल शर्मिंदगी ही नहीं लातीं, बल्कि डॉक्टरों का मानना है कि मुंह की गंदगी की वजह से दिल की बीमारियां और शुगर जैसी परेशानियां भी बढ़ सकती हैं। इसलिए डेंटिस्ट को केवल दांतों का डॉक्टर समझना गलत होगा, वे हमारे पूरे शरीर की रक्षा करते हैं। विज्ञान की तरक्की की वजह से अब दांतों का इलाज बहुत आसान और दर्द रहित हो गया है। वह समय चला गया जब लोग डेंटिस्ट के पास जाने से डरते थे। अब ऐसी आधुनिक मशीनें और दवाएं आ गई हैं कि इलाज के दौरान दर्द का पता भी नहीं चलता। बच्चों के लिए तो डेंटिस्ट और भी जरूरी हैं। बचपन में दांतों की सही देखभाल ही आगे चलकर मजबूत और सीधे दांतों की बुनियाद बनती है। विशेषज्ञ बच्चों को खेल-खेल में ब्रश करने का सही तरीका सिखाते हैं, जो पूरी उम्र उनके काम आता है।

हमें इस गलतफहमी को भी दूर करना चाहिए कि डेंटिस्ट के पास जाना बहुत महंगा पड़ता है। हकीकत में, अगर हम समय-समय पर अपने दांतों की जांच करवाते रहें, तो बड़ी बीमारियों और महंगे इलाज की नौबत ही नहीं आएगी। दांत भगवान का दिया हुआ वह अनमोल तोहफा हैं जो एक बार चले जाएं, तो दोबारा असली जैसे नहीं मिल सकते। नकली दांत केवल काम चला सकते हैं, पर वे असली दांतों जैसी मजबूती कभी नहीं दे सकते। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि दांतों की सफेदी से ज्यादा उनकी मजबूती मायने रखती है। कई बार लोग विज्ञापनों के चक्कर में आकर घरेलू नुस्खों से दांत चमकाने की कोशिश करते हैं, जिससे दांतों की सुरक्षा परत घिस जाती है। एक अनुभवी डेंटिस्ट ही आपको सही सलाह दे सकता है कि आपके दांतों के लिए क्या अच्छा है और क्या बुरा।

आज के समय में डेंटिस्ट केवल क्लिनिक तक सीमित नहीं हैं, वे स्कूलों और गाँवों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। वे हमें सिखाते हैं कि रात को सोने से पहले ब्रश करना सुबह ब्रश करने से भी ज्यादा जरूरी है क्योंकि रात भर की गंदगी ही कीड़े लगने का असली कारण बनती है। एक अच्छी मुस्कान न केवल आपको जवान

दिखाती है, बल्कि यह आपके पाचन तंत्र को भी मजबूत रखती है क्योंकि सही ढंग से चबाया हुआ खाना ही शरीर को पोषण देता है। हमें अपने डेंटिस्ट को अपना दोस्त समझना चाहिए और उनसे अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करनी चाहिए। याद रखिए, एक छोटी सी लापरवाही भविष्य में बड़ा दर्द दे सकती है।

कुल मिलाकर, यह अवसर हमें यह संकल्प लेने का मौका देता है कि हम अपनी मुस्कान की कदर करेंगे। हमें डॉक्टरों की बताई गई बातों को मानना चाहिए, जैसे दिन में दो बार ब्रश करना, सही टूथपेस्ट का इस्तेमाल करना और हर कुछ महीनों में अपना ब्रश बदल देना। अखबारों और मीडिया को भी यह बात घर-घर तक पहुँचानी चाहिए कि अगर दांत स्वस्थ होंगे, तभी देश भी स्वस्थ होगा। आइए, आज के दिन अपने डेंटिस्ट से मिलें, अपनी जांच करवाएं और उन्हें उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए धन्यवाद दें। जब आपकी मुस्कान स्वस्थ होगी, तभी आप जीवन का असली आनंद ले पाएंगे और खुलकर हंस पाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

चिंतन मनन

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

विचार मंथन

झूठ पर गढ़े गए युद्ध के निराधार और भ्रामक दावे

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

बातचीत के दौरान एक झूठ का सहारा लेकर इजराइल और अमेरिका ने जिस तरह से ईरान पर हमला किया, उसी वक्त तनाव के बीच का संघर्ष मानों बेलगाम युद्ध में तब्दील हो गया। अब पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध केवल मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, इसके समानांतर एक और खतरनाक युद्ध लड़ा जा रहा है, वह है सूचना और दुष्प्रचार की जंग। जब युद्ध के मैदान में धुआँ उठता है, तब अक्सर सच्चाई धुंध में छिप जाती है और अफवाहें, आधे-अधूरे तथ्य तथा झूठी खबरें जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैलने लगती हैं। भीड़ या समूह को भड़काने में इसका बेजा इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल हाल ही में एक अमेरिकी समाचार चैनल द्वारा यह दावा किया गया कि ईरान पर हमले के लिए अमेरिकी नौसेना भारतीय बंदरगाहों का उपयोग कर रही है। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस खबर का खंडन करते हुए इसे पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। यह घटना बताती है कि युद्ध के समय भ्रामक सूचनाएँ किस प्रकार देशों के बीच अनावश्यक तनाव पैदा कर सकती हैं। दरअसल, अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष पहले ही बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच चुका है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और युद्धविराम की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे माहौल में अगर किसी तीसरे देश को बिना किसी प्रमाण के युद्ध से जोड़ दिया जाए, तो उसके गंभीर कूटनीतिक और रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत लंबे समय से पश्चिम एशिया में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाता रहा है। भारत के ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही देशों से महत्वपूर्ण संबंध हैं। ऐसे में इस प्रकार के निराधार दावे भारत की तटस्थ और संतुलित नीति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी हो सकते हैं। खासतौर पर तब जबकि ईरान पर हमले से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे को लेकर तरह-तरह के भ्रामक दावे किए गए, बाद में इस पर भी स्पष्टीकरण आया और सभी दावे अफवाहें साबित हो गए। बहरहाल युद्ध के दौरान दुष्प्रचार का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि युद्ध के समय प्रचार और मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ सैन्य हथियारों जितनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। आज डिजिटल युग में यह प्रवृत्ति और अधिक खतरनाक हो गई है, क्योंकि सोशल मीडिया और 24 घंटे चलने वाले कुछ समाचार चैनलों के कारण गलत जानकारी पलक झपकते ही दुनिया भर में फैल जाती है। कई बार तो ये खबरें बिना तथ्य के जांचे-परखे प्रसारित कर दी जाती हैं, जिससे भ्रम और अविश्वास का माहौल बन जाता है। वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है। अमेरिकी नेतृत्व ने दावा किया है कि उसके सैन्य अभियान ने ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है और ईरान द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों में भारी कमी आई है। वहीं दूसरी ओर ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है और क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सच्चाई का सही आकलन करना कठिन हो गया है, क्योंकि हर पक्ष अपनी-अपनी रणनीतिक कथा प्रस्तुत कर रहा है। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल और गैस के व्यापार तथा समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है। चीन और रूस जैसे देश भी इस स्थिति को लेकर सतर्क दिखाई दे रहे हैं। चीन द्वारा रक्षा बजट में वृद्धि का निर्णय इसी व्यापक रणनीतिक अस्थिरता की ओर संकेत करता है। इसका अर्थ तो यही हुआ कि यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अमेरिका के भीतर भी इस युद्ध को लेकर बहस तेज हो गई है।

एक तरफ कुछ आलोचकों का मानना है कि बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य कार्रवाई करना संवैधानिक सीमाओं को चुनौती देने जैसा है, वहीं दूसरी तरफ कुछ ने इसे सही कदम बताया है। यह विवाद दर्शाता है कि आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में युद्ध केवल सैन्य या कूटनीतिक मुद्दा नहीं होता, बल्कि राजनीतिक और कानूनी विमर्श का भी विषय बन जाता है। इन सबके बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सूचना की विश्वसनीयता कैसे सुनिश्चित की जाए। जब समाचार और दुष्प्रचार के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब जनता के लिए सही और गलत में फर्क करना कठिन हो जाता है। इसलिए सरकारों, मीडिया संस्थानों और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे तथ्यों की पुष्टि के बिना किसी भी सूचना को स्वीकार न करें। भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा झूठे दावों का तुरंत खंडन करना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। यह दर्शाता है कि आज के दौर में केवल सैन्य या कूटनीतिक तैयारी ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सूचना युद्ध से निपटने के लिए भी सतर्क और सक्रिय रहना आवश्यक है। अंततः यह समझना होगा कि युद्ध का सबसे बड़ा शिकार केवल सैनिक या नागरिक नहीं होते, बल्कि सच भी होता है। जब झूठ और दुष्प्रचार को हथियार बना लिया जाता है, तब वैश्विक शांति और स्थिरता पर गंभीर खतरा मंडराने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय न केवल युद्ध को रोकने के प्रयास करे, बल्कि सूचना के क्षेत्र में भी जिम्मेदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा दे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन ने घटाया आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य, घरेलू मांग बढ़ाने योजना लागू

- वैश्विक और घरेलू आर्थिक दबावों के बीच लिया गया यह फैसला

बीजिंग । चीन ने इस साल अपनी आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य घटाकर 4.5 से 5 फीसदी कर दिया है। यह पहला मौका है जब पिछले तीन वर्षों तक लगातार 5 फीसदी का लक्ष्य रखने के बाद सरकार ने इसे संशोधित किया। यह कदम वैश्विक और घरेलू आर्थिक दबावों के बीच लिया गया है। अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और बढ़ते वैश्विक आर्थिक संकट ने चीन की निर्यात-आधारित वृद्धि पर दबाव डाला है। पिछले साल निर्यात मजबूत रहने के बावजूद घरेलू खपत धीमी रही, जिससे आर्थिक संतुलन चुनौतीपूर्ण हो गया। चीन की संपत्ति बाजार में मंदी और धीमी घरेलू मांग ने सरकार को वृद्धि लक्ष्य घटाने पर मजबूर किया। देश का जीडीपी पिछले साल 5 फीसदी की दर से बढ़कर 20.01 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचा। प्रीमियर ली कियांग ने नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) में रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि इस साल सरकार का लक्ष्य 4.5-5 फीसदी जीडीपी वृद्धि लगभग 5.5 फीसदी शहरी बेरोजगारी, 1.2 करोड़ से अधिक नए शहरी रोजगार और 2 फीसदी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक वृद्धि हासिल करना है। उन्होंने बताया कि शहरी और ग्रामीण निवासियों की आय बढ़ाने के लिए नई योजना लागू की जाएगी। इसके तहत 250 अरब युआन (36.17 अरब डॉलर) के विशेष ट्रेजरी बॉन्ड और 100 अरब युआन का विशेष राजकोषीय-वित्तीय समन्वय कोष घरेलू मांग विस्तार के लिए बनाया जाएगा।

न्यूयॉर्क न्यायालय ने ट्रंप टैरिफ रद्द किए, कंपनियों को रिफंड का आदेश

वाशिंगटन । न्यूयॉर्क के संघीय न्यायाधीश रिचर्ड ईटन ने कहा कि जो कंपनियां पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए गए आयात शुल्क का भुगतान कर चुकी हैं, वे अब रिफंड की हकदार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि राष्ट्रपति *डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आईईईपीए (अंतरराष्ट्रीय आपातकाल आर्थिक शक्ति कानून) के तहत लगाए गए शुल्क असंवैधानिक थे। न्यायाधीश ईटन ने कहा कि वह केवल आईईईपीए शुल्क के रिफंड से जुड़े मामलों की सुनवाई करेंगे। इस फैसले से कंपनियों को रिफंड प्रक्रिया में स्पष्टता मिली है, जो सुप्रीम कोर्ट के 20 फरवरी के फैसले में नहीं दी गई थी। यह फैसला ट्रंप प्रशासन के लिए कानूनी और वित्तीय चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। कंपनियों के लिए यह राहत है, क्योंकि अब वे पहले भुगतान किए गए भारी शुल्क वापस प्राप्त कर सकेंगे।

एनएचएआई प्रायोजित आरआईआईटी का 6,000 करोड़ का आईपीओ लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्रायोजित राजमार्ग इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) ने अपने पहले आईपीओ के लिए 99-100 रुपए प्रति यूनिट का मूल्य दायरा तय किया है। कुल आईपीओ का आकार 6,000 करोड़ रुपये तक है। सार्वजनिक निवेशक के लिए आवेदन 11 मार्च से खुलेंगे और 13 मार्च को बंद होंगे। एंकर निवेशकों के लिए बोली 10 मार्च को लगेगी। इस इन्विट का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग संपत्तियों की मौद्रिकरण क्षमता का लाभ उठाना है। यह मुख्य रूप से खुदरा और घरेलू निवेशकों को लक्षित करता है और दीर्घकालिक उच्च गुणवत्ता वाला निवेश विकल्प प्रदान करता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह पहल राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निवेशकों को एक स्थिर और दीर्घकालिक रिटर्न का अवसर मिलेगा, जबकि एनएचएआई अपनी संपत्तियों को प्रभावी ढंग से मौद्रीकृत कर पाएगा।

तांबे की कीमतें घटकर 1,224 रुपए प्रति किलो पहुंची

नई दिल्ली । गुरुवार को घरेलू हाजिर बाजार में मांग सुस्त रहने के कारण तांबे की वायदा कीमतों में गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में अप्रैल डिलीवरी के लिए तांबा 6.25 रुपये या 0.51 प्रतिशत घटकर **1,224 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। तांबे के वायदा कारोबार में कुल 208 लॉट का लेन-देन हुआ। कारोबारियों ने कहा कि वायदा बाजार में कीमतों पर दबाव देखा गया। विशेषज्ञों का कहना है कि उपभोक्ता उद्योगों की ओर से घरेलू मांग कमजोर होने के कारण तांबे की कीमतों में कमी आई। बाजार में सुस्त मांग और निवेशकों की सतर्कता ने वायदा कारोबार को प्रभावित किया।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के पार

- देश के पास लगभग 25 दिनों का कच्चे तेल का भंडार

नई दिल्ली ।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में दो प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। दरअसल इरान द्वारा रणनीतिक समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होमुर्ज को बंद किए जाने से वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस मार्ग से दुनिया के बड़े हिस्से में तेल की सप्लाई होती है, इसलिए इसके बंद होने का असर तुरंत बाजार पर दिखाई दिया। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में इंटरकान्टीनेंटन एक्सचेंज पर बेंचमार्क क्रूड का अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2.43 प्रतिशत बढ़कर 83.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं न्यूयार्क मर्केल्टाइल एक्सचेंज (एनवाईमेक्स) पर वेस्ट इंटरमी डियट क्रूड आयल का अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2.63 प्रतिशत बढ़कर 76.63 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक कंटेनर जहाज पर

प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे जहाज को नुकसान पहुंचा है। इस घटना के बाद तेल आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है, जिसके चलते बाजार में कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर भारत जैसे बड़े आयातक देशों पर पड़ सकता है। अनुमान है कि यदि कच्चे तेल की कीमत पूरे वर्ष के लिए प्रति बैरल एक डॉलर बढ़ती है, तो भारत का आयात बिल करीब 16,000 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। हालांकि सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत फिलहाल अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थिति में है। देश के पास लगभग 25 दिनों का कच्चे तेल का भंडार और करीब 25 दिनों के पेट्रोलियम उत्पादों का स्टॉक मौजूद है, जिसमें समुद्र मार्ग से आ रहा तेल भी शामिल है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। इनमें से लगभग 50 प्रतिशत तेल मिडिल ईस्ट के देशों से आता है। हालांकि हाल के वर्षों में भारत ने रसिया, यूनाइटेड स्टेट अऔर अफ्रीकी देशों से आयात बढ़ाकर ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश की है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर पर जेएम फाइनेंशियल ने बाय रेटिंग बरकरार रखी

नई दिल्ली ।

जेएम फाइनेंशियल ने रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के शेयर पर बाय रेटिंग को बरकरार रखा है। ब्रोकरेज ने स्टॉक का टारगेट प्राइस 1,730 रुपए तय किया है, जो वर्तमान कीमत 1,345 रुपए से करीब 29 फीसदी ऊपर है। इसका मतलब है कि निवेशकों को शेयर में अपसाइड रिटर्न का मौका मिल सकता है। शेयर इस हफ्ते लगभग 4 फीसदी गिरा है और पिछले एक महीने में करीब 8 फीसदी की कमजोरी देखी गई। बुधवार को शेयर 1,345 रुपए पर बंद हुए। गुरुवार सुबह बीएसई पर शेयर 1,383.30 रुपए पर 2.81 फीसदी बढ़त के साथ खुले, जो कंपनी के लिए सकारात्मक संकेत है। ब्रोकरेज के अनुसार मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली शेयर में गिरावट के मुख्य कारण रहे। द्ववदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 2025 में 21.1 फीसदी थी, जो मार्च 2021 में 28.3 फीसदी थी। इसी वजह से शेयर की कीमत ब्रोकरेज के बेयर केस वैल्यूएशन 1,275 रुपए के करीब आ गई। कच्चे तेल और एलएनजी की कीमत में वृद्धि से रिलायंस के ऑयल-टू-केमिकल्स (ओ2सी) कारोबार पर नकारात्मक असर नहीं होगा। इसके अलावा डीजल मार्जिन और पेट्रोकेमिकल कारोबार के मार्जिन में सुधार की संभावना है। मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन के कारण कंपनी को निकट अवधि में फायदा होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 899, निफ्टी 285 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबर के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 899.71 अंक बढ़कर 80,015.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 285.40 अंक उछलकर 24,765.90 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी डिफेंस शेयरों के कारण आई है। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.55 फीसदी बढ़ है जबकि निफ्टी मेटल 2.29 फीसदी), निफ्टी पीएसई 2.22 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 2.21 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.10 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 2.05 फीसदी और निफ्टी एनर्जी 1.92 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। केवल निफ्टी आईटी इंडेक्स ही 0.59 फीसदी टूटकर बंद हुआ। लार्जकैप के साथ ही आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 867.40 फीसदी की तेजी के साथ 57,792.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 257.30 अंक बढ़कर 16,538.80 पर था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, एनटीपीसी, बीईएल, इंडिगो, एमएंडएम, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, ट्रेंट, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल सबसे अधिक लाभ वाले शेयर थे। वहीं टेक महिंद्रा, एचसीएल , एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, टीसीएस, आईटीसी और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार शेयर बाजार

में तेजी निचले स्तरों पर निवेशकों की खरीदारी से आई है। निवेशकों ने मेटल, सरकारी शेयरों और इन्फ्रा से जुड़े शेयरों में काफी खरीदारी की है। इसके अलावा, वैश्विक बाजारों में तेजी के कारण भी घरेलू बाजार उछला है। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बीच बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। बाजार को हैवीवेट शेयरों में आई खरीदारी से समर्थन मिला। सुबह सेंसेक्स 79,530 अंक पर खुला। इससे पहले बुधवार को सेंसेक्स 79,116 अंक पर बंद हुआ था। । इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ खुला। निफ्टी-50 24,615 अंक के स्तर पर खुला और सुबह की शुरुआत के बाद यह 76.75 अंक की बढ़त के साथ 24,572 अंक पर कारोबार कर रहा था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई बाजारों की मजबूती और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी ने बाजार की शुरुआत को सकारात्मक बनाया। हालांकि, निवेशकों की नजर अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी बनी हुई है। खासकर ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता पैदा की है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में उछाल भी बाजार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

दुनिया के केंद्रीय बैंकों की सोना खरीद में जनवरी में बड़ी गिरावट

- सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और कुछ मौसमी कारणों के चलते केंद्रीय बैंकों ने इस बार सावधानी बरती

नई दिल्ली । जनवरी 2026 में दुनिया के केंद्रीय बैंकों की सोना खरीद में अचानक गिरावट देखने को मिली। पिछले 12 महीनों में औसतन हर महीने लगभग 27 टन सोना खरीदा जा रहा था, लेकिन जनवरी में यह आंकड़ा घटकर केवल 5 टन रह गया। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और कुछ मौसमी कारणों के चलते केंद्रीय बैंकों ने इस बार सावधानी बरती। इस दौरान उज्बेकिस्तान सबसे बड़ा खरीदार बना। देश के केंद्रीय बैंक ने 9 टन सोना खरीदा, जिससे कुल भंडार बढ़कर 399 टन हो गया। अब देश के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 86 फीसदी तक पहुंच गई है, जबकि 2020 में यह सिर्फ 57 फीसदी थी। बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार यह कदम उज्बेकिस्तान की मुद्रा सुरक्षा और भंडार स्थिरता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। मलेशिया के केंद्रीय बैंक ने भी 3 टन सोना खरीदा। इसके साथ ही देश का कुल सोना भंडार 42 टन हो गया, जो उसके कुल विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग 5 फीसदी है। यह मलेशिया की 2018 के बाद पहली सोना खरीद है, जो संकेत देती है कि देश अपने भंडार में विविधता और सुरक्षा बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन के केंद्रीय बैंक ने जनवरी में 1 टन सोना खरीदा। यह लगातार 15वें महीने की खरीद है। इसके चलते चीन के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी लगभग 10 फीसदी के करीब पहुंच गई है। चीन की यह निरंतर खरीदारी वैश्विक बाजार में स्थिरता और लंबे समय तक निवेश की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। वहीं रूस इस दौरान सबसे बड़ा विक्रेता रहा। रूस के केंद्रीय बैंक ने अपने भंडार से 9 टन सोना बेच दिया। इसके अलावा बुल्गारिया ने यूरो अपनाने के बाद 2 टन सोना यूरोपीय सेंट्रल बैंक को ट्रांसफर किया। केडिया एडवाइजरी के अनुसार, डॉलर के मुकाबले रुपया दबाव में रह सकता है और यूएसडी/आईएनआर का स्तर 94.20 तक पहुंच सकता है। मजबूत डॉलर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका-भारत के ब्याज दरों का अंतर रुपये पर दबाव डाल सकता है।

निफ्टी में दबाव जारी, निवेशकों में बढ़ी सावधानी

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को कमजोर वैश्विक संकेतों और बढ़ती भू-राजनीतिक चिंताओं से दबाव में खुला। निफ्टी पूरे कारोबारी सत्र में सीमित दायरे में ही रहा। दिन भर हल्की रिकवरी की कोशिशों के बावजूद निफ्टी 24,480.50 के स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद के मुकाबले लगभग 1.55 फीसदी की गिरावट है। बाजार के अधिकांश प्रमुख सेक्टर कमजोर रहे। मेटल, रियल्टी और एनर्जी सेक्टर में तेज बिकवाली देखने को मिली। इसके विपरीत, आईटी सेक्टर ने कुछ मजबूती दिखाई। मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक भी 2 फीसदी से अधिक टूटे जिससे निवेशकों की चिंता और बढ़ गई। बाजार का दबाव कई कारकों से बना। वैश्विक बाजारों से नकारात्मक संकेत, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और भू-राजनीतिक अनिश्चितता निवेशकों के भरोसे को प्रभावित कर रही हैं। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और रुपये में उतार-चढ़ाव ने बाजार की धारणा को कमजोर किया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के अनुसार निफ्टी का 24,600 सपोर्ट टूटना चिंता का संकेत है। उनका कहना है कि अब अगला बड़ा सपोर्ट 24,050 के आसपास है। यदि बाजार में सुधार होता है, तो 24,600-24,800 का दायरा मजबूत रेजिस्टेंस बन सकता है। इंडिया वीआईएक्स में 50 फीसदी से अधिक उछाल ने बाजार में बढ़ती घबराहट को भी दर्शाया।

जियो को दुनिया का पहला बड़ा टोकन सर्विस प्रोवाइडर बनने का लक्ष्य

टेलीकॉम सेक्टर में एआई केवल एक अपग्रेड नहीं, बल्कि बड़ा बदलाव है

नई दिल्ली ।

जियो प्लेटफॉर्म्स के एक ग्रुप अे धिकारी ने बार्सिलोना में आयोजित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में बताया कि कंपनी आने वाले समय में दुनिया का पहला बड़ा टोकन सर्विस प्रोवाइडर बनने का लक्ष्य रखती है। उन्होंने कहा कि टेलीकॉम सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केवल एक अपग्रेड नहीं, बल्कि बड़ा बदलाव है। जो कंपनियां एआई को तेजी से अपनाएंगी, वही भविष्य में सफल होंगी। ग्रुप अे धिकारी के अनुसार, टेलीकॉम इंडस्ट्री में पहले कमाई कॉल मिनट्स से होती थी, फिर डेटा से। अब भविष्य में यह मॉडल टोकन आधारित हो सकता है। जियो इस नए मॉडल को अपनाने और टोकन इकोनॉमी का हिस्सा बनने में अग्रणी बनना चाहता है। उनका कहना है कि कंपनी केवल टोकन पाइप बनने का लक्ष्य नहीं रखती, बल्कि टोकन बनाने और पूरे टोकनोमिक्स सिस्टम में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। उन्होंने कहा कि जियो ने पहले भी भारत में कम कीमत पर सेवाएं देने में सफलता हासिल की है। कंपनी के पास 52.5 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं और डेटा की कीमत लगभग 9 सेंट प्रति जीबी है, जो दुनिया में सबसे कम है। भविष्य में जियो टोकन आधारित सेवाओं को भी कम कीमत पर उपलब्ध कराना चाहता है। एआई के आने के बाद टेलीकॉम नेटवर्क और डिजिटल डिवाइस पूरी तरह बदल जाएंगे। जियो सिर्फ इंटरनेट कनेक्टिविटी देने वाली कंपनी नहीं बनना चाहता, बल्कि एआई इकोसिस्टम का अहम हिस्सा बनना चाहता है। इसके लिए कंपनी एक इंटेलिजेंस आर्किटेक्चर तैयार कर रही है, जिसमें भरोसेमंद एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और स्मार्ट डिवाइस मुख्य भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि 2026 तक दुनिया में एआई पर 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा निवेश होने की उम्मीद है, जिसमें बड़े टेक प्लेटफॉर्म्स लगभग 810 बिलियन डॉलर खर्च करेंगे। एआई के आने से नई अर्थव्यवस्था और नए कारोबार के अवसर पैदा होंगे। स्केलबल टोकन एआई में जानकारी की छोटी इकाई है।

पश्चिम एशिया में तनाव से भारत में रसोई गैस संकट की आशंका

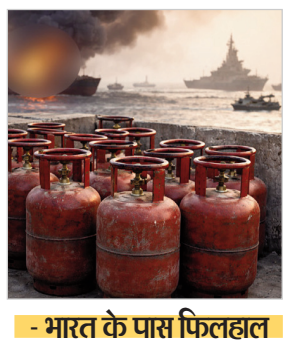

- भारत के पास फिलहाल एलपीजी का लगभग 30 दिनों का भंडार मौजूद

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और तनाव के कारण भारत में रसोई गैस (एलपीजी)की आपूर्ति पर खतरा पैदा हो गया है। खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण गैस से भरे कई जहाज स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के पास फंस गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर मार्च में आने वाले एलपीजी जहाज जल्द भारत के लिए रवाना नहीं होते हैं, तो देश में रसोई गैस की गंभीर कमी हो सकती है। इसका सीधा असर करोड़ों परिवारों पर पड़ सकता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी खरीदार है और अपनी 90 प्रतिशत से अधिक जरूरतें पश्चिम एशिया से पूरी करता है। हाल के वर्षों में भारत ने अमेरिका से भी लंबी अवधि का समझौता किया है, लेकिन वहां से आने वाली मात्रा अभी कम है और भाड़ा अधिक है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर अभी अमेरिका से एलपीजी खरीदी भी जाए, तो वह अप्रैल से पहले भारत नहीं पहुंच पाएगी। बाजार विश्लेष्कों के अनुसार भारत के पास एलपीजी के लिए अन्य सप्लायर खोजने के विकल्प सीमित हैं। कुछ अतिरिक्त गैस अमेरिका, रूस या अर्जेंटीना से मिल सकती है, लेकिन मात्रा कम होगी और यह वैश्विक कीमतों और जहाजों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। सरकारी अधिकारियों के अनुसार भारत के पास फिलहाल एलपीजी का लगभग 30 दिनों का भंडार मौजूद है। यदि खाड़ी क्षेत्र में तनाव लंबे समय तक बना रहा, तो सप्लाई पर दबाव बढ़ सकता है। भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने सरकार के साथ आपात योजना पर चर्चा की है। देश की सबसे बड़ी एलएनजी आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी ने कतर से आने वाली गैस पर फोर्स मेजर घोषित किया है, जिससे ग्राहकों को मिलने वाली गैस में करीब 50 प्रतिशत कटौती हुई है।

तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का स्टॉक लगभग आठ हफ्तों का है, इसलिए तेल की तत्काल कमी की संभावना कम है। हालांकि, अगर समुद्री मार्ग लंबी अवधि तक बंद रहे, तो तेल सप्लाई भी प्रभावित हो सकती है।

वाहन बिक्री में उछाल, फरवरी 2026 में 26 फीसदी बढ़ी

कुल बिक्री 24,09,362 इकाई रही, जो फरवरी 2025 में 19,17,934 इकाई थी

नई दिल्ली ।

वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने गुरुवार को बताया कि फरवरी 2026 में भारत में वाहनों की घरेलू खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 26 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कुल बिक्री 24,09,362 इकाई रही, जो फरवरी 2025 में 19,17,934 इकाई थी। फाडा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि जीएसटी सुधार, बेहतर मांग और बाजार का भरोसा सभी श्रेणियों के बेहतर प्रदर्शन के प्रमुख कारण रहे। शहरी और ग्रामीण बाजारों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। दोपहिया वाहनों की बिक्री 17,00,505 इकाई रही, जो पिछले साल 13,60,155 इकाई थी, यानी 25 फीसदी वृद्धि। तिपहिया वाहनों की बिक्री में 24 फीसदी, यात्री वाहनों में 26 फीसदी और वाणिज्यिक वाहनों में 29 फीसदी की वृद्धि हुई। यात्री वाहनों की बिक्री पिछले साल के 3,13,015 इकाई से बढ़कर 3,94,768 इकाई तक पहुंच गई। अे धिकारी ने बताया कि छह में पांच श्रेणियों ने अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। शहरी बाजारों में बिक्री 21 फीसदी बढ़ी, जबकि ग्रामीण बाजारों में 34 फीसदी का उछाल देखा गया। ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि खासतौर पर छोटी कारों और दोपहिया वाहनों की मजबूत मांग को दर्शाती है। फाडा ने बताया कि ग्रामीण नकदी में सुधार (अच्छी फसल के बाद), आकर्षक विपणन योजनाएं और जीएसटी संशोधनों के बाद बेहतर मूल्य निर्धारण ने बिक्री में बढ़ोतरी में मदद की। अे धिकारी ने कहा कि यह आंकड़ा पूरे वाहन उद्योग के लिए उत्साहजनक संकेत है और यह दर्शाता है कि बाजार में मांग लगातार मजबूत बनी हुई है।

कतर से एलएनजी सप्लाई में संकट, सीएनजी हो सकती है महंगी

- कतर की एलएनजी सुविधाओं पर ईरानी ड्रोन हमलों से उत्पादन अस्थायी रूप से बंद

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच कतर की एलएनजी सुविधाओं पर ईरानी ड्रोन हमलों के कारण उत्पादन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। रस लाफान और मेसईद स्थित एनएनजी संयंत्रों में हमलों के बाद कतरएनर्जी ने बताया कि एलएनजी और उससे जुड़े उत्पादों का उत्पादन फिलहाल बंद है। भारत हर साल लगभग 27 मिलियन टन एनएनजी आयात करता है, जिसमें से करीब 40 प्रतिशत गैस कतर से आती है। पेट्रोनेट एलएनजी के कतर से 8.5 मिलियन टन की लंबी अवधि की खरीद समझौता भी प्रभावित हुआ है। सुरक्षा कारणों से जहाज कतर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं और पेट्रोनेट एलएनजी ने कतरएनर्जी को फोर्स मेजर नोटिस जारी किया है। सप्लाई संकट के कारण शहर गैस कंपनियों और सीएनजी वितरण में लगभग 40 प्रतिशत तक कटौती हुई है। शहर गैस कंपनियों के संगठन एसीई ने सरकारी कंपनी गैल को पत्र लिखकर चिंता जताई है। अगर सस्ती कतर गैस की जगह महंगी स्पॉट मार्केट गैस खरीदनी पड़ी तो सीएनजी और शहर गैस की कीमतें बढ़ सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्पॉट मार्केट में एलएनजी की कीमत बढ़कर लगभग 25 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट हो गई है, जो लंबे अनुबंध की कीमत से दोगुनी है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से

गुजरने वाला यह मार्ग दुनिया के करीब एक-तिहाई समुद्री तेल और 20 प्रतिशत एलएनजी निर्यात के लिए अहम है। भारत के लिए भी यह मार्ग महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश के लगभग 50 प्रतिशत कच्चे तेल और 54 प्रतिशत एलएनजी इसी रास्ते से आते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम से मिले आईसीसी प्रमुख जय शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने पर जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी है। जम्मू-कश्मीर ने खिताबी मुकाबले में आठ बार की विजेता कर्नाटक को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर जीत की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, रणजी ट्रॉफी में जम्मू और कश्मीर की जीत दिखाती है कि राज्य में क्रिकेट आगे बढ़ रहा है जो गर्व की बात है। अपनी यादगार जीत के बाद, खिलाड़ियों ने आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलने और उनके साथ यह खास पल साझा करने की इच्छा भी जताई थी। तब खिलाड़ियों ने बीसीसीआई सचिव रहते शाह के जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए किए गए कार्यों की भी प्रशंसा की थी। बीसीसीआई ने जम्मू-कश्मीर टीम को उसके इस सफलता पर बधाई दी। साथ ही जीतने वाली टीम से मिलने के लिए शाह को धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि जम्मू और कश्मीर टीम ने चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में बड़ी बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी 2025-26 का खिताब जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। खिताबी मुकाबले की पहली पारी में 584 रन बनाने के बाद, जम्मू और कश्मीर ने कर्नाटक को 293 रन पर आउट करके 291 रनों की बढ़त हासिल की थी।

वहीं जम्मू-कश्मीर ने ओपनर कमरान इकबाल के नाबाद 160 रन और साहिल लोतरा के की शतकीय साझेदारी की सहायता से अपनी दूसरी पारी 4 विकेट प 342 रन बनाकर घोषित कर दी। ये मैच ड्रॉ रहा और पहली पारी की बढ़त के आधार पर जम्मू-कश्मीर को विजयी घोषित किया गया था। जम्मू-कश्मीर सरकार ने भी इस सफलता पर टीम की प्रशंसा करते हुए उसे इनाम दिया था।

सचिन के बेटे अर्जुन की शादी में पारंपरिक परिधाओं में नजर आये धोनी और साक्षी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी धोनी गुरुवार को यहां महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी में शामिल हुए। धोनी और साक्षी इस समारोह में स्टाइलिश अंदाज में नजर आये। शादी में धोनी के अलावा कई और दिग्गज खिलाड़ी भी शादी में शामिल हुए।

धोनी ने शादी समारोह में पारंपरिक परिधानों में सबका ध्यान खींचा। वह हल्के बेज-ब्लश सिल्क कुर्ते में अपने ही अंदाज में दिखे। जिसमें बीच और कफ पर बारीक रेशम और ज़रदोज़ी की कढ़ाई की गई थी। हल्के हरे, लाल और सुनहरे रंग के हल्के फूलों से उनका ये कुर्ता और भी क्लासिक भारतीय अंदाज दिखा रहा था। उन्होंने क्रिस्प सफेद चूड़ीदार ट्राउज़र के साथ लुक को साफ और सिंपल रखा, जिससे कुर्ते की कारीगरी उभर कर सामने आई। वहीं साक्षी ने आइवरी अनारकली-स्टाइल सूट पहना था, जिसके बॉर्डर पर कलमकारी से प्रेरित फूलों की बेलें और मोर के डिज़ाइन थे, जो शाही चार्म दिखा रहा था। उनके हल्के सोने के बॉर्डर वाले शीयर दुपट्टे, लेयर्ड गोल्ड ज्वेलरी और भारी सजावट वाले गोल्ड पोटली बैग ने स्टाइल के साथ ही पारंपरिक अंदाज दिखाया। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और उनकी पत्नी सफा बेग भी पारंपरिक कपड़ों में दिखे। इरफान हल्के क्रीम रंग के थ्री-पीस सूट में बहुत खूबसूरत लग रहे हैं, जिसमें फिटेड ब्लेज़र, मैचिंग वेस्टकोट और स्लिम ट्राउज़र हैं। इसे बिना बटन वाली सफेद शर्ट और पॉलिश किए हुए भूरे जूतों के साथ कैजुअली स्टाइल किया गया है, जो एक मॉडर्न और आरामदायक लुक देता है।

वहीं सफा ने एक शानदार ब्लश पिंक गाउन, एक बड़ी ट्यूल स्कर्ट और बारीक सजी हुई स्लीव्स में कॉम्प्लिमेंट किया। उनका शीयर मैचिंग हिजाब, लेडी डायर बैग और डायमंड चोकर लुक को पूरा कर रहे हैं, जिससे एक सॉफ्ट, रोमांटिक लुक बन रहा है जो इरफान के स्ट्रक्चर्ड आउटफिट के साथ मिलकर अलग ही अंदाज दिखा रहा था। साथ में, वे एक पेस्टल और न्यूट्रल पैलेट में अच्छे लग रहे हैं, जो कपल गोल्स की निशानी है। अर्जुन तेंदुलकर की शादी के जश्न में कई और क्रिकेटर भी परिवार सहित शामिल हुए। इसमें पूर्व तेज गेंदबाज ज़हीर खान के साथ उनकी पत्नी सागरिका घाटगे, हरभजन सिंह के साथ गीता बसरा, युवराज सिंह के साथ हेज़ल कीच के अलावा पूर्व कोच रवि शास्त्री और मुख्य चयनकर्ता अजीत भी अपने-अपने परिवसर के साथ शामिल हुए।

वरुण के बचाव में उतरे मेंटर, उसके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

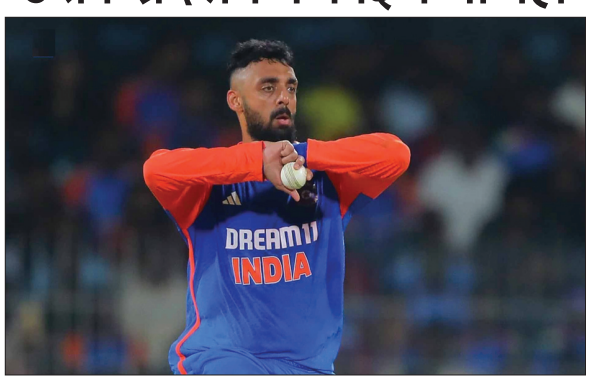

दुबई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन इस बार टी20 विश्वकप में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वरुण चक्रवर्ती सुपर 8 के मैच में बल्लेबालों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये जिससे उनके ओवरों में पहले से अधिक अधिक रन बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि इसके बाद भी वह भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं वरुण के मेंटर प्रतीपन ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज के फार्मा को लेकर चिन्ता की कोई जरुरत नहीं है।

प्रतीपन ने कहा, आंकड़ों पर नजर डालें तो वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर पिच से किसी और को ज्यादा टर्न मिल रही होती और वरुण को नहीं, तो हम कुछ बदलाव की बात करते पर अभी ऐसा कुछ नहीं है। इसलिए वह परेशान नहीं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वरुण को अभी तकनीक में किसी भी प्रकार के बदलाव की जरुरत नहीं है। उनका फिलहाल किसी तकनीकी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं की गई है। केवल एक दो मैच के आधार पर बदलाव सहीं नहीं है। उनके अनुसार अगर विकेट से ज्यादा टर्न नहीं मिल रही, तो गेंदबाज क्रीज और ट्रैजेक्टरी का इस्तेमाल कर कोण बनाकर बदलाव ला सकता सकता है। इसके अलावा ओवर द विकेट और राउंड द विकेट गेंदबाजी कर भी गेंदबाजी और सटीक बनायी जा सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। पिछले साल पांच मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने 9.85 की औसत से 14 विकेट लिए थे, जिसमें एक बार पांच विकेट भी थे। तब उन्होंने जोस बटलर और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बेहतरीन बल्लेबाजों को आउट किया था। इस बार भी उम्मीद है कि वह सेमीफाइनल और फाइनल में अपने प्रदर्शन से अंतर पैदा करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप: फिन एलन के नाम हुआ एक एडिशन में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड, इन दिग्गजों को पछाड़ा

कोलकाता (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता के इडेन गार्डेन में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में विस्फोटक शतक लगाया। इस शतकीय पारी के दम पर एलन ने न्यूजीलैंड को फाइनल में पहुंचाने के साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

फिन एलन ने 33 गेंदों पर 10 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। इस पारी के दौरान आठवां छक्का लगाते ही एलन एक विश्व कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। एलन इस विश्व कप में अब तक 20 छक्के लगा चुके हैं। एलन ने इसी विश्व कप में 19 छक्के लगाने वाले शिमरोन हेटमायर और 18 छक्के लगाने वाले साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ा।

इससे पहले एक विश्व कप में सर्वाधिक छक्का लगाने की उपलब्धि निकोलन पूरन (17 छक्के 2024 विश्व कप में) के नाम थी। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज ने टी20 विश्व कप 2024 में 16 और क्रिस गेल ने 2012 में 16 छक्के लगाए थे। फिन एलन का यह शतक टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एलन ने क्रिस गेल के सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। गेल ने 2016 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों पर शतक लगाया था। एलन टी20 विश्व कप के नॉकआउट मैचों में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान द्वारा 2009 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल में बनाए नाबाद 96 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ा।

टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए शतक लगाने वाले एलन तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। ब्रैंडन मेक्कुलम 2012 में पल्लेकेले में बांग्लादेश के खिलाफ 123 और ग्लेन फिलिप्स 2022 में श्रीलंका के खिलाफ 104 रन की पारी खेल चुके हैं।

मैच पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के 169 रन बनाए थे। 170 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 12.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाकर मैच 9 विकेट से जीत लिया। एलन के 33 गेंदों पर 100 रन के अलावा टिम साइफर्ट ने भी 33 गेंदों पर 58 रन बनाए। फिन एलन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

सेमीफाइनल की हार टीम पर एक करारा प्रहार : कोच कॉनराड

कोलकाता । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कोच शुकरी कॉनराड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकबले में मिली करारी हार पर नाराजगी जतायी है। कोच के अनुसार ये हार उनकी टीम पर एक करारे प्रहार की तरह है। इस हार से एक बार फिर टीम के बड़े मुकाबलों मे दबाव में आने के आरोप लगाने वालों की बात को ही बल मिला है!। दक्षिण अफ्रीका को कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कॉनराड ने इस हार को बेहद दर्दनाक बताया है। मैच के बाद कॉनराड ने कहा, इस मैच में हमारी टीम मुकाबले में कहीं भी नजर नहीं आई। आपकी गेम में थोड़ी सी भी पकड़ होनी चाहिए पर हमें हमारे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह एक तरह से ऐसा था जैसे चेहरे पर कोई थप्पड़ मारा गया हो। कॉनराड ने कहा, आज रात बहुत कुछ ठीक नहीं हुआ पर शायद ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे बहुत अच्छे थे और उन्होंने हमें कभी अवसर नहीं दिया। मैं हार के लिए कोई बहाना नहीं बनाऊंगा। हम अच्छे नहीं थे और वे बहुत अच्छे थे। उन्होंने हमें आगे से रोक दिया, हमने विकेट खोये और हमें कोई मौका नहीं मिला। कोच ने कहा, हमारी टीम की गेंदबाजी की कमजो रही जिससे मैच हमारे लिए कठिन बन गया।वहीं न्यूजीलैंड की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड ने बहुत, बहुत अच्छा खेला। उन्होंने हमें बिल्कुल अवसर नहीं दिया और सच में बहुत अच्छा दबाव बनाया। उनके स्पिनर बहुत अच्छे रहे।गौरतलब है कि ग्रुप स्तर में न्यूजीलैंड को हरा चुकी दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा।

ऑल इंग्लैंड ओपन में लक्ष्य की जीत से शुरुआत, गत विजेता यूकी को हराया

लंदन । भारत के लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन ओपन 2026 में जीत के साथ शुरुआत की है। लक्ष्य ने पुरुष एकल के अपने पहले ही मुकाबले में गत विजेता चीन के शी यूकी को 23-21, 19-21, 21-17 से पराजित कर दिया। लक्ष्य ने पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में यूकी को एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य ने मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बनाया। इससे लक्ष्य ने 17-10 की बढ़त ले ली पर इसके बाद शी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-17 पर ला दिया। लक्ष्य ने फिर से बेहतर खेल दिखाते हुए हुए तीन गेम अंक हासिल किए पर चीनी खिलाड़ी ने एक और मैच अंक बचाकर अपने को खेल में बनाने का प्रयास किया । दूसरे गेम में यूकी ने आक्रामक रुख अपनाया पर लक्ष्य ने 13-19 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की। उनका प्रयास मैच को निर्णायक मुकाबले तक ले जाने का था पर तीसरे और अंतिम गेम में भारतीय खिलाड़ी ने जबरस्त प्रदर्शन करते हुए 16-11 की बढ़त हासिल की और चार मैच अंक बटोरे। यूकी ने एक अंक बचाया पर वह अपनी हार नहीं टाल पाये।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन

-पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही पेस, पादुकोण जैसे दिग्गज भी होंगे शामिल

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन 6 मार्च को डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे। ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा। इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे। ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है। इस टूर्नामेंट में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, जी.आर. विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस. बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा भी शामिल होंगे। वहीं विदेशी क्रिकेटरों में इयोन मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड रहेंगे। क्रिकेट के अलावा टेनिस स्टार लिएंडर पेस, बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण और प्रोफेशनल गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी व गौरव घई भी इस इवेंट में भाग लेंगे। सुनील गावस्कर ने कहा कि चैंप्स फाउंडेशन इस सोच के साथ बनाया गया कि जिन्होंने खेल के जरिए देश का नाम रोशन किया, उन्हें जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ गोल्फ नहीं, बल्कि खेल समुदाय को लौटाने का प्रयास है।वहीं पेस ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, मजबूती और एकजुटता सिखाता है। चैंप्स फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है।

वेस्टइंडीज टीम कोलकाता के होटल में फंसी, हेड कोच डैरेन सैमी ने की अपील

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्ट इंडीज को उनके ट्रैवल शेड्यूल के बारे में कोई ऑफिशियल अपडेट नहीं दिया गया है, लेकिन जिम्बाब्वे टीम के सदस्यों का पहला बैच अब घर के लिए निकल चुका है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के चार दिन बाद भी जब वेस्टइंडीज कोलकाता में फंसा हुआ है, तो उनके हेड कोच डैरेन सैमी ने एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें कहा गया है, 'मैं बस घर जाना चाहता हूं'।

पश्चिम एशिया में संकट के चलते वेस्टइंडीज उन टीमों में से एक है जो भारत में फंसी हुई हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक शुरू में आईसीसी ने वेस्टइंडीज को बताया था कि टीम को लंदन के लिए एक चार्टर फ्लाइट से कैरिबियन वापस लाने की कोशिश की जा रही है। माना जा रहा है कि प्लान यह था कि वेस्टइंडीज हफ़्ते के बीच में भारत से फ्लाइट ले ले, हालांकि कोई पक्की तारीख नहीं बताई गई थी। हालांकि,

वेस्टइंडीज कोलकाता में ही है, जहां वे 1 मार्च को सुपर आठ के फाइनल मैच में भारत से हार गए थे।

पिछले वीकेंड शुरू हुए इस संकट की वजह से आम एयरस्पेस कॉरिडोर बंद होने से, आईसीसी को टीमों के लिए वापसी की फ़्लाइट का इंतजाम करने में एक बड़ी लॉजिस्टिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि बुधवार को जिम्बाब्वे के लिए अच्छी खबर आई, जब आईसीसी द्वारा उनके ट्रैवल इंतजामों में बदलाव करने के बाद उनकी टीम के सदस्यों का पहला बैच दिल्ली से घर के लिए रवाना हो गया। वेस्टइंडीज की तरह जिम्बाब्वे ने भी टी 20 वर्ल्ड कप में अपना आखिरी मैच 1 मार्च को दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका से खेला था जिसमें वह हार गया था। जिम्बाब्वे को पहले 2 मार्च को निकलना था, लेकिन वह प्लान कैंसिल कर दिया गया। उनकी टीम के बाकी सदस्यों के ट्रैवल प्लान के बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को एक बयान में कहा, 'जिम्बाब्वे क्रिकेट कन्फर्म करता है कि आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली जिम्बाब्वे की सीनियर मेन्स टीम भारत से घर लौट रही है। हाल ही में आई दिक्कतों के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दूसरे ट्रैवल अरेंजमेंट कर लिए हैं।' 'फ्लाइट की उपलब्धता और बदले हुए रूट की वजह से, टीम बैच में हरारे लौटेगी।' 'ज़िम्बाब्वे का ओरिजिनल ट्रैवल रूट दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट से था, लेकिन इसे बदलना पड़ा। पता चला है कि जिम्बाब्वे अब अदीस अबाबा, इथियोपिया होते हुए हरारे जा रहा है।'

ऑल इंग्लैंड ओपन में सात्विक-चिराग पहले ही राउंड में बाहर

बर्मिंघम । भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया के कांग खाई जिंग और एरॉन ताई से सीधे गेम में हारने के बाद ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले ही राउंड में बाहर हो गई। यूटिलिटा एरिना बर्मिंघम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में चौथी रैंक वाली भारतीय जोड़ी दुनिया की 33वें नंबर की मलेशियाई जोड़ी से 23-21, 21-12 से हार गई। सात्विक-चिराग ने अच्छी शुरुआत की और शुरुआती गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली, जिसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। 2024 के जूनियर वर्ल्ड चैंपियन कांग और एरॉन फिर आगे निकल गए और भारतीयों जोड़ी के दो मैच पॉइंट बचाने के बावजूद, आखिरकार टाई-ब्रेक में गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी इसी मोमेंटम को जारी रखते हुए मलेशियाई जोड़ी ने गेम पर अपना दबदबा बनाया। और सिर्फ पांच और पॉइंट देकर मैच आराम से जीत लिया। इस हार के साथ ही इस मशहूर टूर्नामेंट में भारत का पुरुष युगल में अभियान भी समाप्त हो गया।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में फंसा

लाहौर । मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए पाकिस्तान की क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। पाक टीम को 11 मार्च से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए बांग्लादेश दौरे पर जाना था। इसके लिए उसे 9 मार्च को बांग्लादेश पहुंचना था पर अब कहा जा रहा है पाकिस्तान की टीम इस दौरे को आगे बढ़ा सकती है। पिछले कुछ समय से बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के साथ पाक बोर्ड (पीसीबी) के संबंध बेहतर हुए हैं और ऐसे में इस दौरे को आयोजित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। दोनो टीम के बीच मीरपुर मे 11, 13 और 15 मार्च को तीन एकदिवसीय मैच होने थे पर अब ये खेले जाएंगे या नहीं तय नहीं है। इसका कारण ये है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद से ही दुनिया भर में तनाव का माहौल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज तभी आयोजित होगी, जब यात्रा जोखित और सुरक्षा की चिंताएं समाप्त होंगी।ये भी कहा जा रहा कि वर्तमान मौजूदा क्षेत्रीय तनाव की वजह से यह टूर होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता है। वहीं बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसे पीसीबी की ओर से अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गयी है। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन्स के चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि कहा, अगर बात ऐसी हो जाती है कि वे यात्रा नहीं कर पा रहे तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता है पर अभी तक हमें उनकी ओर से कुछ नहीं कहा गया है।

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तानी क्रिकेटर को सुनाई खरी-खरी, भारत के खिलाफ कर रहा था गलत बयानबाजी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटरों के बीच बयानबाजी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर द्वारा भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर की गई टिप्पणी पर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कैफ का मानना है कि इस तरह के बयान अक्सर सिर्फ मीडिया में चर्चा बटोरने के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने साफ कहा कि भारतीय टीम को ऐसे बयानों पर ध्यान देने के बजाय अपने प्रदर्शन पर फोकस करना चाहिए।

आमिर के बयान पर कैफ का करारा जवाब

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा को 'स्लॉगर' बताया था। आमिर ने यह भी दावा किया था कि भारत टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाएगा। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे बयान अक्सर जानबूझकर दिए जाते हैं ताकि मीडिया में चर्चा बने। उनके मुताबिक आमिर जैसे अनुभवी खिलाड़ी को यह अच्छी तरह पता था कि भारत एक मजबूत टीम है और टूर्नामेंट के आगे के चरणों में पहुंचने की पूरी क्षमता रखती है।

'खबरों में बने रहने की कोशिश'

कैफ ने कहा कि कई बार खिलाड़ी अपनी लोकप्रियता बनाए रखने या सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। उन्होंने भारतीय प्रशंसकों से अपील की कि ऐसे कमेंट्स को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। कैफ ने कहा कि अगर हर बयान का जवाब दिया जाएगा तो इससे उन लोगों को वही ध्यान मिलेगा जिसकी उन्हें तलाश रहती है। उनके अनुसार भारतीय टीम को अपने स्तर से नीचे जाकर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है।

2024 टी20 वर्ल्ड कप की हार का भी किया जिक्र

कैफ ने बातचीत के दौरान टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान की संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के खिलाफ मिली हार को भी याद किया। उन्होंने खासतौर पर उस मैच के सुपर ओवर का जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा था। कैफ ने आमिर की गेंदबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस सुपर ओवर में जरूरत से ज्यादा वाइड गेंदें फेंकी गईं, जिसने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। उनका मानना है कि दबाव की स्थिति में सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करना किसी भी अनुभवी गेंदबाज के लिए बेहद जरूरी होता है।

पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति पर भी बोले कैफ

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान क्रिकेट के मौजूदा ढांचे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि

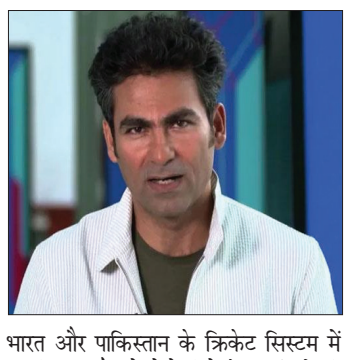

भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में काफी अंतर है, जो दोनों टीमों के प्रदर्शन में भी दिखाई देता है। कैफ के अनुसार भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने घरेलू ढांचे, युवा खिलाड़ियों के विकास और प्रोफेशनल सिस्टम पर काफी काम किया है, जिसका फायदा टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रहा है।

भारतीय फैंस को दी खास सलाह

कैफ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को सलाह दी कि उन्हें हर बयान पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया के दौर में कई बार छोटी-छोटी बातों को भी बेवजह बड़ा बना दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि टीम और फैंस दोनों ही अपना ध्यान खेल और प्रदर्शन पर रखें, क्योंकि यही किसी भी टीम की असली पहचान बनाता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान का प्रदर्शन

गौरतलब है कि पाकिस्तान की टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर-8 चरण से आगे नहीं बढ़ पाई। लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक न पहुंच पाने के कारण टीम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मोहम्मद कैफ का संदेश साफ है कि भारतीय टीम को बेवजह की बयानबाजी से दूर रहकर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक मैदान पर प्रदर्शन ही किसी भी टीम का असली जवाब होता है।

अपने ही दामाद पर भड़के शाहिद अफरीदी

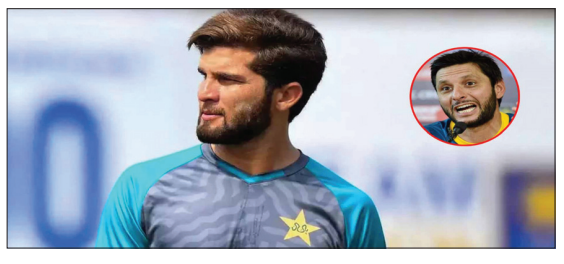

लाहौर। पाकिस्तान की टीम का जिस प्रकार से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन रहा है उससे पूर्व क्रिकेटर भड़के हुए हैं। पूर्व दिग्गजों ने टीम की रणनीति के साथ ही कप्तानी और खिलाड़ियों के कमजोर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी खराब प्रदर्शन के लिए आड़े हाथों लिया है। शाहीन जबकि उनके दामाद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम के खिलाफ बड़ी जीत नहीं दर्ज कर पाया। । सुपर-8 के मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ उसे बड़ी जीत चाहिये थी पर टीम मामूली अंतर से जीती और इस कारण सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गयी। इस मैच में अंतिम ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन से कसी हुई गेंदबाज की उम्मीद थी पर उन्होंने 22 रन दे दिये। इससे भी शाहिद खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन को इतने साल में ये समझ आ जानी चाहिए कि दबाव की स्थिति में कैसे गेंदबाजी करनी है। दांये हाथ के बल्लेबाज के सामने वाइड यॉर्कर डालना एशियाई पिचों पर फायदेमंद नहीं रहता है। अफरीदी ने यह भी कहा कि शाहीन बार-बार एक ही गलती दोहरा रहे हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए खिलाड़ियों को इन बातों की समझ होनी चाहिए। वहीं पाक बोर्ड भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज बताया जा रहा है और ऐसे में टीम में कई बदलाव होने तय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहलगाम हमले का जिक्र : पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद बेनकाब

जेनेवा (एजेंसी)। यूएनओसीटी के वार्षिक संबोधन के दौरान भारत ने अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का मुद्दा उठाया। इस हमले को द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआएफ) ने अंजाम दिया था, जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक चेहरा है। इस कायराना हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। भारत ने इस उदाहरण के जरिए दुनिया को बताया कि कैसे आतंकवादी संगठन अपने सहयोगियों के साथ मिलकर निर्दोषों को निशाना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने कहा कि हमें आईएसआईएस और अल कायदा और उनके सहयोगियों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करनी होगी। भारत ने बहुपक्षीय सहयोग के लिए एक केंद्रीय साधन के रूप में वैश्विक आतंकवाद विरोधी रणनीति के महत्व पर जोर दिया। भारत जीसीटीएस की 9वीं समीक्षा के लिए परामर्श में सक्रियता से हिस्सा लेगा और इस प्रक्रिया में वार्ता के दौरान सह-सहायकों फिनलैंड और मोरक्को को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। भारत ने कहा कि न्यूयॉर्क और दुनिया भर में भारत की सभी पहल हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं, जिसमें 'दिल्ली घोषणा' भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने कहा कि आतंक फैलाने के उद्देश्य से संचालित गतिविधियों में नयी और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग का मुकाबला करने के मुद्दे पर 'दिल्ली घोषणा' एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। आतंकवादी उद्देश्यों में नयी एवं उभरती प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का मुद्दा कई सदस्य देशों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अक्टूबर 2022 में भारत की अध्यक्षता में गठित सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-विरोधी समिति (सीटीसी) ने 'आतंकवादी उद्देश्यों के लिए नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग का मुकाबला' विषय पर नई दिल्ली और मुंबई में एक विशेष बैठक का आयोजन किया था।

जंग का दिखने लगा असर : तेल संकट के कारण म्यांमार में ऑड-ईवन राशनिंग सिस्टम लागू

यांगून (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में जारी भीषण युद्ध और हॉर्मुज जलसंधि के पूरी तरह बंद होने का असर अब दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों पर भी दिखने लगा है। म्यांमार की सैन्य सरकार (जुंटा) ने देश में ईंधन की भारी किल्लत को देखते हुए निजी वाहनों के लिए एक कड़े राशनिंग सिस्टम की घोषणा की है। नेशनल डिफेंस एंड सिक्योरिटी काउंसिल (एनडीएससी) के मुताबिक, वैश्विक राजनीतिक अस्थाईत्व और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के कारण आगामी 7 मार्च 2026 से पूरे देश में नया ईवन-ऑड लाइसेंसिंग नियम लागू कर दिया जाएगा। इस नियम के तहत सम (ईवन) नंबर वाली गाड़ियां केवल सम तारीखों पर और विषम (ऑड) नंबर वाली गाड़ियां केवल विषम तारीखों पर ही सड़क पर उतर सकेंगी। हालांकि, इस संकट के बीच राहत की बात यह है कि इलेक्ट्रिक वाहनों और ई-मोटरसाइकिलों को इस प्रतिबंध से पूरी तरह छूट दी गई है। मिडिल ईस्ट में ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाई ने वैश्विक शिपिंग लागत को आसमान पर पहुंचा दिया है, जिससे एशियाई बंदरगाहों की ओर आने वाले तेल टैंकरों की आवाजाही ठप हो गई है। म्यांमार अपनी ईंधन जरूरतों के लिए मुख्य रूप से सिंगापुर और मलेशिया के रिफाइंड तेल पर निर्भर है, जो मध्य पूर्व से आने वाले कच्चे तेल के क्षेत्रीय प्रसंस्करण केंद्र हैं। सप्लाई चेन टूटने से म्यांमार के कमर्शियल हब यांगून समेत कई इलाकों में पहले से ही बिजली कटौती और महंगाई का बोझ झेल रहे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि लाइसेंस प्लेट के आधार पर गाड़ियों का संचालन शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर देगा, क्योंकि यहां लोग परिवहन के लिए निजी कारों पर बहुत अधिक निर्भर हैं। ईंधन का यह संकट सीमावर्ती इलाकों में और भी गंभीर हो गया है। म्यावाडी जैसे शहरों में फ्यूल सप्लाई खत्म होने के कारण स्थानीय स्टेशन बंद करने पड़े हैं, जिससे लोग ईंधन भरवाने के लिए पड़ोसी देश थाईलैंड के माई सोट स्थित गैस स्टेशनों पर लंबी कतारें लगाने को मजबूर हैं। सैन्य सरकार ने इस स्थिति में कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त चेतावनी जारी की है कि जो भी व्यक्ति या व्यवसायी अधिक कीमत पर बेचने के उद्देश्य से ईंधन जमा करेगा, उस पर मुकदमा चलाया जाएगा। गौरतलब है कि म्यांमार 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद से ही आंतरिक गृहयुद्ध और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है। अब वैश्विक ऊर्जा संकट ने देश की चरमराती अर्थव्यवस्था और आम जनता की दैनिक चुनौतियों को एक नए और खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है।

सऊदी-पाक रक्षा समझौते के बीच गहराया क्षेत्रीय युद्ध का संकट, जाल में फंस गया है पाकिस्तान?

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच भड़क रही युद्ध की चिंगारी अब धीरे-धीरे समूचे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले रही है। रणनीतिक विशेषज्ञों के बीच अब यह आशंका प्रबल हो गई है कि इस भीषण संघर्ष की आग जल्द ही पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंच सकती है। इस संभावित खतरे की जड़ में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुआ वह ऐतिहासिक सुरक्षा समझौता है, जो अब पाकिस्तान के लिए गले की फांस बनता नजर आ रहा है। सितंबर 2025 में दोनों देशों ने रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते (एसएमडीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत किसी भी एक देश पर होने वाले हमले को दोनों देशों पर हमला माना जाना तय हुआ था। इस समझौते की प्रकृति ऐसी है कि यदि कोई बाहरी शक्ति सऊदी अरब की संप्रभुता को चुनौती देती है, तो पाकिस्तान सैन्य रूप से उसकी रक्षा करने के लिए बाध्य है। वर्तमान परिदृश्य में ईरान द्वारा सऊदी अरब के विभिन्न शहरों, रिफाइनरियों और तेल प्रतिष्ठानों पर लगातार ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। समझौते की शर्तों के अनुसार, पाकिस्तान को अब तक सक्रिय सैन्य भूमिका में होना चाहिए था, लेकिन हकीकत इसके उलट दिख रही है।

कनाडा के पीएम कार्नी बोले- कुछ भी हो जाए हम जंग लड़ने से पीछे नहीं हट सकते

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष को लेकर एक बड़ा बयान दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। ओटावा में गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री कार्नी ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ चलाए जा रहे युद्ध में कनाडा की सैन्य भागीदारी की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता है।यदि परिस्थितयां जंग वाली हुई तो कुछ भी हो जाए हम जंग लड़ने से पीछे नहीं हट सकते। उनकी यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इससे पहले उन्होंने एक बयान में कहा था कि संघर्ष को जन्म देने वाले कुछ अमेरिकी-इजरायली हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे से बाहर प्रतीत होते हैं। हालांकि, अब उनके रुख में आया यह बदलाव क्षेत्र में बदलती सैन्य परिस्थितियों की ओर इशारा कर रहा है।

ईरान के प्रति अपनी सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए मार्क कार्नी ने कहा कि मध्य पूर्व में अस्थिरता और आतंकवाद का मुख्य स्रोत ईरान ही है। उन्होंने ईरान के मानवाधिकार रिकॉर्ड की कड़ी आलोचना करते हुए जोर दिया कि उसे किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार विकसित करने या प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कार्नी के अनुसार, कनाडा और उसके अंतरराष्ट्रीय साझेदार लगातार ईरान से अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह समाप्त करने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन की चर्चाओं और पिछले वर्ष संयुक्त राष्ट्र द्वारा फिर से लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों का हवाला देते हुए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी मार्क कार्नी ने इसी तरह का एकजुट रुख दिखाया। दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व में बढ़ती शत्रुता को कम करने की अपील तो की, लेकिन साथ ही ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया। कनाडा के इस कड़े रुख से संकेत मिल रहे हैं कि यदि ईरान और इजरायल के बीच तनाव और अधिक बढ़ता है, तो कनाडाई सेना पश्चिमी गठबंधन के साथ मिलकर प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई का हिस्सा बन सकती है। यह घटनाक्रम आने वाले दिनों में पश्चिमी देशों की रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहा है।

कल्पना से भी परे था खामेनेई को मारने का प्लान, कैमरे हैक किए फिर एआई से ली मदद

तेलअवीव। इजराइल ने खामेनेई और सीनियर ईरानी अधिकारियों को ट्रैक करने के लिए तेहरान के ट्रैफिक कैमरे हैक कर लिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और दूसरे बड़े अधिकारियों के बॉडीगार्ड पर नजर रखने के लिए तेहरान के बड़े ट्रैफिक कैमरा नेटवर्क में घुसपैठ की थी। ये कैमरे मोसाद ने हैक कर लिए थे और खामेनेई की हर मूवमेंट पर नजर रखी जा रही थी।ईरान में लगे कैमरों को देश के सर्विलांस सिस्टम का हिस्सा माना जाता है। ईरान के इन कैमरों का इस्तेमाल प्रदर्शनकारियों और सरकार के विरोधियों की पहचान करने और उन्हें ट्रैक करने के लिए किया जाता है। हालांकि, इजरायल की मोसाद इन कैमरों को ईरानी सरकार के खिलाफ मोड़ने में कामयाब रही। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल को सालों पहले कैमरों का एक्सेस मिला और उसने पाया कि एक खास कैमरा इस तरह से एंगल पर लगा था कि उससे पता चलता था कि खामेनेई की सिक्योरिटी टीम के सदस्य अपनी कारें कहां पार्क करते हैं। कैमरों के जरिए इजरायली इंटेलिजेंस मोसाद ने गार्ड्स के पते, काम के शेड्यूल और उन्हें किसकी सुरक्षा के लिए नियुक्त किया गया था.. इन सब पर फाइलें तैयार कीं। इसके अलावा इजरायल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान की पाश्चर स्ट्रीट पर सेलुलर सर्विस भी रोक दी थी, जहां सुप्रीम लीडर खामेनेई की हत्या हुई थी। ऐसा इसलिए किया गया ताकि जो लोग बॉडीगार्ड तक पहुंचने और संभावित चेतावनी देने की कोशिश करते, उन्हें बिजी सिग्नल मिलता। एक इज़राइली इंटेलिजेंस अधिकारी ने बताया, 'हम तेहरान को वैसे ही जानते थे जैसे हम यरुशलम को जानते हैं। अधिकारी ने आगे कहा, 'और जब आप किसी जगह को उतनी ही अच्छी तरह जानते हैं जितनी आप उस गली को जानते हैं जहां आप पले-बढ़े हैं, तो आप एक भी चीज को नोटिस करते हैं जो जगह से हटकर है।यह भी पता चला है कि इजरायल ने ईरान के नेतृत्व और उनकी गतिविधियों पर जमा हो रहे डेटा के ढेरों को छांटने के लिए एआई टूल्स और एल्गोरिदम का इस्तेमाल किया। डेटा ने उन्हें खामेनेई को शनिवार की मीटिंग तक ट्रैक करने में मदद की, जहां सुप्रीम लीडर की मीटिंग खत्म हुई थी। इसके अलावा रिपोर्ट में बताया गया कि यूनाइटेड स्टेट्स की सीआईए के पास एक ह्यूमन सोर्स भी था जिसने ज़रूरी इंटेलिजेंस दी।

यूएस कर्नल का दावा- भारतीय बेस से हो रहे ईरान पर हमले, एमईए ने दावों को किया खारिज

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहा भीषण संघर्ष अब अपने छठे दिन में प्रवेश कर चुका है। इस युद्ध की तपिश अब कूटनीतिक गलियारों से होते हुए बयानों और दावों के युद्ध तक पहुँच गई है। हाल ही में अमेरिका के एक पूर्व कर्नल डगलस मैकग्रेगर ने एक इंटरव्यू में चौंकाने वाला दावा किया कि मध्य पूर्व में स्थित अमेरिका के सभी सैन्य ठिकाने ईरानी हमलों में तबाह हो चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब ईरान पर नए सिरे से हमले करने के लिए अमेरिका को भारतीय बंदरगाहों और सैन्य अड्डों की मदद लेनी पड़ रही है। हालांकि, भारत सरकार ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि ये खबरें पूरी तरह निराधार और मनगढ़ंत हैं। मंत्रालय ने ऐसी भ्रामक टिप्पणियों के खिलाफ चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि भारत की नीति अपनी धरती पर किसी भी विदेशी सैन्य अड्डे की अनुमति न देने की रही है। भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने और तनाव कम करने की अपील की है। इस बीच, युद्ध के मोर्चे पर स्थिति और अधिक हिंसक हो गई है। मंगलवार रात हिंद महासागर में एक बड़ी घटना घटी, जहाँ एक अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस को टॉरपीडो से उड़ा दिया। इस भीषण हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई। इसके जवाब में ईरान ने बृहस्पतिवार तड़के इजरायल पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागीं और क्षेत्र के आर्थिक बुनियादी ढांचे को नष्ट करने की धमकी दी। इजरायली सेना ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं।

संकट के बीच भारत की मदद को आगे आया रूस, 95 लाख बैरल कच्चे तेल की खेप देने को तैयार

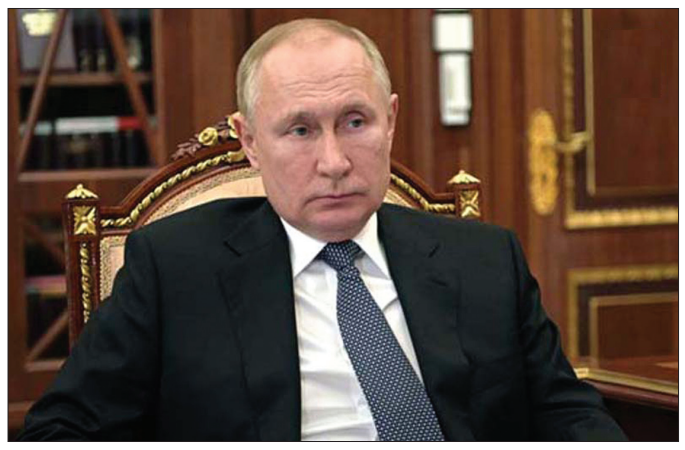

मास्को (एजेंसी)। मध्य पूर्व में गहराते सैन्य संघर्ष और तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से कच्चे तेल की आवाजाही का रास्ता बंद होने से भारत सहित दुनिया भर के देशों के लिए आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है। ऐसे में भारत के पुराने मित्र रूस ने संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए कच्चे तेल की खेप को भारत की ओर मोड़ने की तत्परता दिखाई है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, वर्तमान में भारतीय जलक्षेत्र के पास अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर लगभग 95 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल मौजूद है, जिसे कुछ ही हफ्तों के भीतर भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंचाया जा सकता है।

यह विकासक्रम भारत के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 50 प्रतिशत तेल मध्य पूर्व के देशों से आयात करता था। होर्मुज जलडमरूमध्य में अस्थिरता के कारण यह मार्ग अब असुरक्षित हो गया है, जिससे शिपमेंट बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। हालांकि जहाजों पर लदे इस रूसी तेल का मूल गंतव्य स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि गैर-रूसी बेड़े के जहाजों द्वारा ले जाए जा रहे इस माल को भारत की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए जल्दी से डायवर्ट किया जा सकता है।भारत की वर्तमान स्थिति की बात करें तो देश के पास अभी सीमित तेल भंडार मौजूद है। रिपोर्टों के अनुसार, भारत के पास कच्चे तेल का भंडार लगभग 25 दिनों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए ही पर्याप्त है। इसके अलावा डीजल, पेट्रोल और पेट्रोलियम गैस जैसे रिफाइंड उत्पादों का स्टॉक भी लगातार कम हो रहा है। भारतीय रिफाइनरियां प्रतिदिन लगभग 5.6 मिलियन बैरल तेल को रिफाइन करती हैं, जिसका अर्थ है कि शिपिंग मार्गों में जरा सी भी लंबी रुकावट देश में ईंधन की भारी किल्लत पैदा कर सकती है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि नई दिल्ली ने वैकल्पिक आपूर्ति विकल्पों की तलाश तेज कर दी है, क्योंकि अंदेशा है कि मध्य पूर्व का यह संघर्ष अगले 10-15 दिनों तक और खिंच सकता है। इस अनिश्चितता के बीच रूस ने संकेत दिया है कि वह इस आपूर्ति अंतराल को पाटने के लिए पूरी तरह तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस संभावित रूप से भारत की कुल कच्चे तेल की जरूरतों का 40 प्रतिशत तक हिस्सा अकेले पूरा कर सकता है। यदि यह व्यवस्था सुचारू रूप से लागू होती है, तो वैश्विक संकट के बावजूद भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को बनाए रखने में सफल रहेगा।

पाक आतंकवादी ने कोर्ट में किया खुलासा कहा- ट्रंप को मारने ईरान मुझे हायर किया था

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई नेताओं को मौत के घाट उतारे के लिए निकला एक पाकिस्तानी आतंकी पकड़ा गया है। इसने कोर्ट में खुलासा किया कि ईरान के जासूसों ने मुझे ट्रंप की हत्या करने के लिए कहा था। आरोपी आतंकवादी का नाम आसिफ मर्चेंट है। उसकी उम्र 47 साल है। उसने अदालत में बताया कि उसके परिवार को धमकी दी गई थी और उन्हें बचाने के लिए उसे इस साजिश में शामिल होना पड़ा। उसके पास कोई विकल्प नहीं था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी आसिफ मर्चेंट ने ब्रुकलिन की संघीय अदालत में जज के सामने कहा, 'मेरे पास कोई और विकल्प नहीं था। मेरे परिवार को धमकी दी गई थी।' उसने कहा, 'उसने मुझे साफ-साफ नहीं बताया कि कौन है, लेकिन उसने तीन नाम लिए- डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडेन और निक्की हेली।' उस समय डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के प्रमुख उम्मीदवार थे। निक्की हेली साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर हैं। वह एक महीने पहले ही चुनावी दौड़ से बाहर हो गई थीं। उस पर दो अंडरकवर एफबीआई एजेंट्स, जो हिटमैन के रूप में काम कर रहे थे, को हमले के लिए 5,000 डॉलर देने का आरोप है। आरोपी मर्चेंट पहले एक बैंकर था और बाद में उसकी केला व्यापार की कंपनी फेल हो गई थी। उसने अदालत में बताया कि अप्रैल 2024 में उसके ईरानी जासूस हैंडलर ने उसे अमेरिका जाने और शायद किसी की हत्या करने का आदेश दिया था।आसिफ मर्चेंट को अगस्त 2024 में गिरफ्तार किया गया था और जिसने आतंकवाद और हत्या के लिए सुपारी देने के आरोपों से इनकार किया था। उसने दावा किया कि उसके जासूस हैंडलर ने उसे हत्या के साथ-साथ अज्ञात दस्तावेज चुराने का भी आदेश दिया था। उसके हैंडलर का नाम मेहरदाद यूसुफ बताया गया है, जो कथित तौर पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का सदस्य था। आरोपी मर्चेंट ने कहा कि उसने साजिश में इसलिए साथ दिया क्योंकि यूसुफ ने उसके ईरान में रह रहे रिश्तेदारों पर दबाव बनाया था। उसने आगे दावा किया कि यूसुफ बिना बताए उसके ईरान स्थित घर के बाहर आया और मुलाकात के दौरान हथियार भी दिखाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मर्चेंट ने जज से कहा, 'मेरे परिवार को खतरा था और मुझे यह करना पड़ा।' एफबीआई की गुप्त सुरक्षा कैमरों ने जून 2024 में क्वींस के एक सस्ते होटल में आरोपी मर्चेंट को एक बैठक के दौरान एक रिपब्लिकन नेता की हत्या की योजना बनाते हुए रिकॉर्ड किया था।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की अंतिम विदाई की तारीख का ऐलान पर सस्पेंस

-तारीख टालने के पीछे सबसे बड़ा कारण लाखों लोगों की सुरक्षा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की अंतिम विदाई को लेकर सस्पेंस गहरा गया है। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक उनकी अंतिम रस्में गुरुवार को होनी थीं लेकिन सुरक्षा कारणों और इजराइली हमले की आशंका के मद्देनजर इसे टाल दिया गया है। प्रशासन जल्द ही अंतिम संस्कार की नई तारीखों का ऐलान करेगा। बता दें अली खामेनेई की मौत अमेरिका द्वारा उनके दफ्तर पर किए गए भीषण बमबारी में हुई थी। इस हमले में ईरान के कई अन्य शीर्ष नेता भी मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहले अमेरिका और इजराइल ने इसकी पुष्टि की जिसके बाद ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी आधिकारिक तौर पर उनके निधन और शहादत का ऐलान किया। खामेनेई के अंतिम संस्कार को टालने के पीछे सबसे बड़ा कारण लाखों लोगों की सुरक्षा है। 1989 में खुमैनी के जनाजे में करीब 1 करोड़ लोग जुटे थे। आशंका है कि खामेनेई की विदाई में भी लाखों लोग सड़कों पर उतरेंगे। ईरान को अंदेशा है कि इस विशाल शोक सभा के दौरान इजराइल हमला कर सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर जनहानि हो सकती है। इसी वॉर रिस्क के चलते इस्लामिक डेवलपमेंट को-ऑर्डिनेशन काउंसिल ने कार्यक्रम आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। खामेनेई को ईरान के सबसे पवित्र शहरों में से एक मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। मशहद शब्द का अर्थ ही शहीद की जगह है। उन्हें इमाम रजा की पवित्र दरगाह के पास दफनाया जाएगा। ईरानी मीडिया और जनता उनकी मौत को शहादत मान रही है, इसलिए उन्हें पूरे राजकीय और धार्मिक सम्मान के साथ एक शहीद के रूप में दफनाया जाएगा। इस्लामिक प्रचार परिषद के मुताबिक अंतिम रस्में तेहरान की खुमैनी मस्जिद में आयोजित की जाएंगी। ये रस्में कुल 3 दिनों तक चलेंगी जिसके बाद पार्थिव शरीर को मशहद ले जाया जाएगा। फिलहाल तेहरान में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरी दुनिया की नजरें नई तारीखों के ऐलान पर टिकी हैं।

कन्याकुमारी से 400 किमी दूर अमेरिकी हमले में ईरानी जहाज डूबा, 80 शव मिले

-द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुश्मन के जहाज को डुबोने की यह पहली घटना है

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास अमेरिकी पनडुब्बी हमले के बाद डूबे एक ईरानी नौसैन्य जहाज से करीब 80 ईरानी नाविकों के शव बरामद हुए हैं। श्रीलंका ने पहले बताया था कि उसकी नौसेना ने बुधवार तड़के करीब 180 नाविकों को लेकर जा रहे आईरिस देना नामक ईरानी जहाज से 32 ईरानी नाविकों को बचाया। श्रीलंकाई नौसेना ने हालांकि इसकी वजह नहीं बताई कि जहाज ने आपातकालीन संदेश क्यों भेजा था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वहीं अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि एक अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया है। उन्होंने कहा कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से टॉरपीडो से दुश्मन के जहाज को डुबोने की पहली घटना है। ईरानी जहाज हाल ही में भारत द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय नौसैन्य अभ्यास में शामिल हुआ था। भारतीय नौसेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। हेगसेथ ने कहा कि एक अमेरिकी पनडुब्बी ने एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया, जिसे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में सुरक्षित समझा जा रहा था, लेकिन उसे टॉरपीडो से डुबो दिया गया, जिस स्थान पर यह हमला हुआ है, वह भारत के कन्याकुमारी से महज 400 किमी दूर है।

श्रीलंकाई उप विदेश मंत्री अरुण चंद्रा ने कहा कि शव अब गॉल के करापिटिया अस्पताल में हैं। श्रीलंकाई नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया था कि कई शव उस स्थान के पास पाए गए थे, जहां से आपातकालीन संदेश भेजा गया था, हालांकि सटीक संख्या तत्काल पता नहीं चल पाई है। उन्होंने कहा कि इस समय कोई संख्या बताना मुश्किल है, लेकिन शव मिले हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारी टीम घटनास्थल पर पहुंचीं, तो हमने बड़ी मात्रा में तेल फैला हुआ देखा, जिससे यह संकेत मिला कि जहाज डूब चुका है। संपत ने पुष्टि की कि जहाज ईरानी था और बचाए गए चालक दल के सदस्य ईरानी नौसेना की वर्दी में थे।

हेराथ ने कहा कि बचाए गए नाविकों को नौसेना के दक्षिणी कमान मुख्यालय में ले जाया गया और बाद में गाले के करापिटिया अस्पताल में भर्ती किया गया। अधिकारियों ने कहा कि दक्षिणी कमान के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का उल्लेख करते हुए हेराथ ने कहा कि श्रीलंका इस स्थिति को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करता है और शांतिपूर्ण समाधान की अपील करता है।

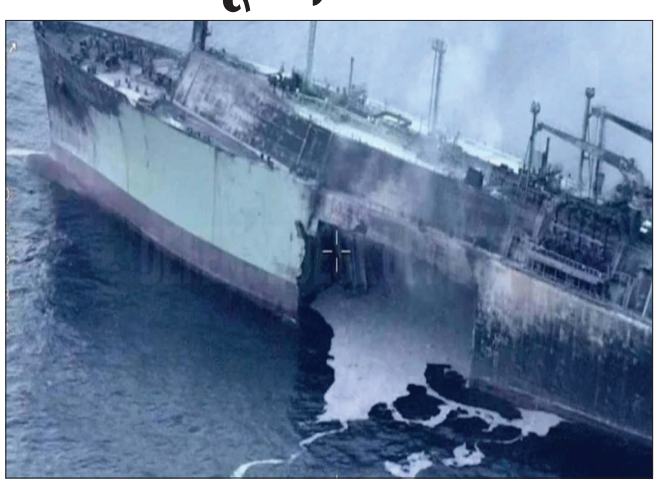

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईरान-इज़राइल युद्ध में मुंबई के युवक की मौत, भारतीय दूतावास ने दुख जताया

मुंबई (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में महायुद्ध शुरू हुए 5 दिन हो चुके हैं और इसका असर अब भारत पर भी पड़ा है। इस युद्ध में एक 25 साल के युवक दीक्षित की ड्रोन से मौत होने की खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार मुंबई के पश्चिमी उपनगर कांदिवली इलाके के रहने वाले दीक्षित सोलंकी की ओमान के तट पर मस्कट के पास एक कार्गो ऑयल टैंकर पर ड्रोन हमले में मौत हो गई। मूल रूप से दीव के रहने वाले 25 साल के दीक्षित सोलंकी कुछ समय पहले व्यापार के लिए मुंबई में बस गए थे। वह मुंबई के कांदिवली इलाके में रह रहे थे। ओमान के मस्कट के तट से 52 नॉटिकल मील दूर एक एक्सप्लोसिव से लदी ड्रोन बोट ने ऑयल टैंकर एमकेडी व्योम को टक्कर मार दी। इस भयानक धमाके में टैंकर के इंजन रूम में आग लग गई और दीक्षित की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि टैंकर पर सवार बाकी 25 क्रू मेंबर्स (जिनमें 16 भारतीय शामिल हैं) को सुरक्षित बचा लिया गया है।दीक्षित दीव के 25 साल के मछुआरे अमृतलाल सोलंकी का छोटा बेटा था। वह अपनी मां की मौत के बाद एक महीने पहले अपने घर लौटे थे और फिर ड्यूटी पर लौट गए थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस बीच ओमान में भारतीय दूतावास ने दीक्षित सोलंकी की मौत पर गहरा दुख जताया है।

सरकारी हॉस्टल में रैगिंग के बहाने यौन उत्पीड़न, 10वीं के छात्रों पर पॉक्सो के तहत केस दर्ज

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक सरकारी हॉस्टल में रैगिंग के नाम पर कम उम्र के बच्चों के साथ कुकर्म का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने इस मामले में कक्षा 10 में पढ़ने वाले कई छात्रों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और अप्राकृतिक कृत्य की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि ये सीनियर छात्र अपने से छोटी कक्षाओं, मुख्य रूप से 5वीं और 6वीं के बच्चों को अपना निशाना बनाते थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालासाहेब पाटिल ने स्वयं मौके का मुआयना किया और जांच की कमान संभाली। जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि पीड़ित बच्चों के साथ पिछले 6 से 7 महीनों से इस तरह की घिनौनी हरकतें की जा रही थीं। बच्चों ने हिम्मत जुटाकर 22 फरवरी को इस मामले की जानकारी हॉस्टल अधीक्षक को दी थी। हालांकि, प्रबंधन की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। आरोप है कि घटना की जानकारी होने के बावजूद हॉस्टल अधीक्षक ने पुलिस को सूचित करने के बजाय केवल छात्रों के माता-पिता को बुलाकर उन्हें घर ले जाने को कह दिया। मंगलवार को एक पीड़ित छात्र के अभिभावकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सीनियर छात्रों को हिरासत में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन्हें जल्द ही जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा। इसके साथ ही, लापरवाही बरतने और अपराध को छिपाने के आरोप में हॉस्टल अधीक्षक सहित तीन कर्मचारियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस हॉस्टल की क्षमता 60 छात्रों की है, जिसमें वर्तमान में 48 छात्र रह रहे थे। इस घटना ने हॉस्टल में बच्चों की सुरक्षा और प्रबंधन की निगरानी पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहाड़गंज में खिलौना गोदाम में लगी आग, चौथी मंजिल के गोदाम से दो शव बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य दिल्ली के हाड़गंज इलाके में बुधवार शाम एक इमारत की चौथी मंजिल पर लगी आग ने हड़कंप मचा दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को आग लगने की सूचना शाम को मिली। आग इमारत की चौथी मंजिल पर बने अस्थायी ढांचे में स्थित खिलौनों के गोदाम में लगी थी। आग के कारण गोदाम में रखी सामग्री तेजी से जलने लगी। सूचना मिलते ही डीएफएस की 25 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने संकरी गलियों और अस्थायी ढांचे की वजह से कई चुनौतियों का सामना करते हुए आग बुझाने में कई घंटे खर्च किए। आग की भीषणता मुख्यत: प्लास्टिक और सिंथेटिक खिलौनों के कारण थी। दमकल कर्मियों ने लगभग 11 घंटे की मेहनत के बाद गुरुवार तड़के 3:20 बजे आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। आग में दो जले हुए शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान अभी नहीं हो सकी। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि चौथी मंजिल पर अस्थायी ढांचे में गोदाम संचालित होना और संकरी गलियां आग पर काबू पाने में चुनौती रही।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद को अस्तित्वगत खतरा करार दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा कि आतंकवाद किसी सीमा, राष्ट्रीयता या जातीयता को नहीं मानता। रघु पुरी ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक अस्तित्वगत खतरा करार दिया। उन्होंने बताया कि यह चुनौती केवल एक देश की सीमा तक सीमित नहीं है और इसका सामना केवल सामूहिक अंतरराष्ट्रीय प्रयासों से किया जा सकता है। भारत ने सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने का आग्रह किया। पुरी ने कहा कि आतंकवाद वैश्विक स्थिरता और मानव सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है और इसके खिलाफ हर स्तर पर ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

कनाडा की पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की चाकुओं से गोदकर हत्या, पुलिस कर रही जांच

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कनाडा में पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की मॉन्ट्रियल के पास लासाल में उनके घर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस को सेंट-लूस क्रिसेंट में स्थित बिल्डिंग से इमरजेंसी कॉल आई थी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस को नैंसी घायल हालत में मिली। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया पर जहां उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसके शरीर पर चाकू से गोदने के कई निशान थे और खून बहने से उसकी मौत हुई है। इस खबर से कनाडा और पंजाब में रहने वाले नैन्सी ग्रेवाल के परिवार में शोक की लहर है। मॉन्ट्रियल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हत्या के असली कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

खरगे का सरकार पर वार, बोले- पीएम मोदी ने विदेश नीति का सरेंडर कर दिया

बीफ एक्सपोर्ट से जुड़ी कंपनियां सत्तारूढ़ दल को चंदा क्यों दे रही हैं?

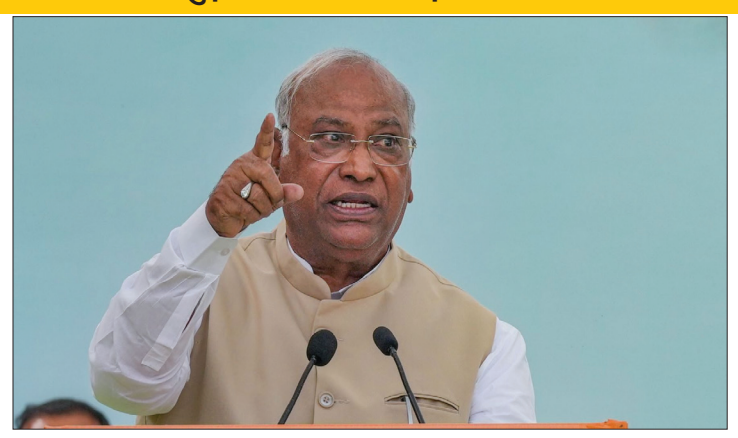

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मध्य पूर्व संकट से निपटने के उनके तरीके को लेकर तीखा हमला करते हुए इसे भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन बताया और प्रधानमंत्री पर भारत की विदेश नीति को आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में, खरगे ने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति और क्षेत्र में फंसे भारतीय नागरिकों की दुर्दशा पर सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में कई सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन सबके सामने है।

खरगे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्थे लौट रहा एक ईरानी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में टॉरपीडो से क्षतिग्रस्त हो गया। खरगे ने कहा कि भारत का अतिथि एक ईरानी जहाज, जो हमारे द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्था लौट रहा था, हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में टॉरपीडो से हमला किया गया। इस पर कोई चिंता या संवेदना व्यक्त नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने सरकार की अपनी ही नीतियों पर चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि महासागर नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के 'शुद्ध सुरक्षा प्रदाता' होने की नीतियों पर हमें उपदेश क्यों दे रहे हैं, जबकि आप अपने ही आंगन में हो रही घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते? खरगे ने होर्मुज की खाड़ी में फंसे भारतीय नौसैनिकों के मानवीय संकट पर प्रकाश डाला। उन्होंने सवाल किया कि होर्मुज की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 38 वाणिज्यिक जहाज और 1100 नौसैनिक फंसे हुए हैं। कैप्टन आशीष कुमार समेत 2 भारतीय नौसैनिकों की कथित तौर पर मौत हो गई है। ऐसे में कोई समुद्री बचाव या राहत अभियान क्यों नहीं चलाया जा रहा है?

उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रभावों पर भी चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि आप कहते हैं कि कच्चे तेल और अन्य तेल का भंडार सिर्फ 25 दिनों का बचा है। तेल की बढ़ती कीमतों के साथ, हमारी ऊर्जा संबंधी आपातकालीन योजना क्या है, खासकर तब जब भारत सरकार ने रूसी तेल का आयात रोकने की मांग को लगभग स्वीकार कर लिया है? खाड़ी देशों के साथ अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के व्यापार का क्या होगा? उन्होंने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के संबंध में विदेश मंत्रालय के 3 मार्च, 2026 के बयान का भी हवाला दिया।

तेजस्वी का दावा- मेरी भविष्यवाणी सच हुई, बीजेपी ने नीतीश कुमार को किया हाईजैक, अब जेडीयू खत्म

पटना (एजेंसी)। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। तेजस्वी ने आगे कहा कि हमने पहले ही कहा था कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। मैंने मुख्यमंत्री परिवर्तन की बात पहले ही कह दी थी। महाराष्ट्र मॉडल अब बिहार में लाया गया है.। भाजपा पिछड़े नेताओं को सत्ता में नहीं रहने देती। भाजपा सिर्फ एक कठपुतली मुख्यमंत्री बैठाती है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैंने हमेशा कहा है, 'नीतीश जी को घोड़ा तो चढ़ाया है दुल्हा बनाकर लेकिन फेरा किसी और के साथ दिला रहा है'। भाजपा ने नीतीश कुमार को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है। नीतीश कुमार ने कहा है कि वह (राज्यसभा) जाना चाहते हैं। हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि चुनाव के बाद भाजपा के लोग नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहने देंगे। आज वह बात सच हो गई है। जनता की आकांक्षाएं इस सत्ता परिवर्तन के खिलाफ हैं... जब नीतीश कुमार ने 2024 में हमारा गठबंधन छोड़ा था... तब भी हमने कहा था कि भाजपा जेडीयू पार्टी को खत्म कर देगी। यादव ने कहा कि हमें यह पहले से ही पता था। जब हमने 28 जनवरी, 2024 को कहा था कि जेडीयू का सफाया हो जाएगा, तो भाजपा को वे परिणाम नहीं मिले जिनका उन्होंने दावा किया था, यानी 400 सीटें। इसलिए, एक साल की देरी हुई। अन्यथा, वे उन्हें (जेडीयू को) बहुत पहले ही खत्म कर चुके होते। उन्होंने कहा कि निशांत को बहुत पहले आ जाना चाहिए था, लेकिन कुछ लोगों ने ऐसा होने नहीं दिया... अब आप देख रहे हैं कि ये लोग बिहार को कैसे बर्बाद कर रहे हैं, जो वे पहले से ही करते आ रहे हैं। हम भाजपा के खिलाफ लड़ेंगे और उन्हें हराएंगे।

नागरिकता के नाम पर मतुआ समुदाय को अनिश्चितता में धकेल रहा केंद्र: ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार नागरिकता देने के नाम पर मतुआ समुदाय के सदस्यों को ''अनिश्चितता और भ्रम'' की स्थिति में धकेल रही है। बनर्जी ने मतुआ समुदाय की कुलमाता वीणापाणि देवी, जिन्हें 'बड़ो मा' के नाम से जाना जाता है, की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि केंद्र उन लोगों की पहचान पर सवाल उठा रहा है जो लंबे समय से देश के नागरिक हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र की भाजपा सरकार की साजिश के कारण हमारे मतुआ भाई-बहनों को अस्थिर और भ्रमित स्थिति में धकेला जा रहा है। नागरिकता देने के नाम पर राजनीति की जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''उनकी पहचान पर ही सवाल उठाया जा रहा है। एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के जरिए उन्हें मतदाता सूची से जानबूझकर बाहर किया जा रहा है। जो लोग पीढ़ियों से इस देश के नागरिक हैं, जिनके वोट सरकारों को चुनते हैं, उन्हें फिर से 'नागरिकता' देने के नाम पर अब अनिश्चितता का सामना कराया जा रहा है।''

बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने वाले हर कदम का विरोध करती रहेगी। उन्होंने कहा, ''इस अन्याय को स्वीकार नहीं किया जाएगा। मेरे मतुआ भाई-बहनों और बंगाल के लोगों के अधिकार छीनने की कोशिशों के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हम बंगाल के लोगों को कोई नुकसान नहीं होने देंगे।''

बनर्जी ने कहा कि वीणापाणि देवी के साथ उनका ''व्यक्तिगत और आध्यात्मिक संबंध'' रहा है और वे एक मां की तरह उनसे स्नेह करती थीं। उन्होंने कहा, ''बड़ो मा वीणापाणि देवी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देती हूं और प्रणाम करती हूं। हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए, मतुआ महासंघ बंगाल के सामाजिक सुधार और नवजागरण का अविभाज्य हिस्सा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''बड़ो मा ने जीवन भर इन आदर्शों को पोषित किया। उनके नेतृत्व में मतुआ महासंघ सामाजिक समानता और बंधुत्व के स्तंभ के रूप में स्थापित हुआ।''

तमिलनाडु गठबंधन रहेगा बरकरार, 28 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

-सीएम स्टालिन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बीच निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर लगी मुहर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए डीएमके ने कमर कस ली है। सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने एक विशाल गठबंधन तैयार किया है, जिसमें कुल 21 पार्टियां शामिल हैं। कांग्रेस फिर इस गठबंधन का हिस्सा है और इस बार 28 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार कर रही है।

सीएम स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागाई के बीच गुरुवार को अहम बैठक हुई। इस बैठक में निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर अंतिम मुहर लगी। डीएमके और कांग्रेस के बीच हुए समझौते के तहत ये फैसला लिया गया है कि कांग्रेस तमिलनाडु में 28 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा, आगामी राज्यसभा चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी के लिए एक सीट आरक्षित की गई है। डीएमके ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी कर दी है। पार्टी ने वरिष्ठ नेता तिरुचि शिवा पर फिर भरोसा जताते हुए उन्हें राज्यसभा सांसद के रूप में बरकरार रखा है, जबकि कॉन्स्टेंटाइन रविंद्रन को पहली बार राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। इस गठबंधन में डीएमके को दो, कांग्रेस को एक और डीएमडीके को एक राज्यसभा सीट मिली है।

डीएमके ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए लिखा है कि तमिलनाडु की राजनीति के इतिहास में ये पहली बार है जब एक ही गठबंधन, बिना टूटे और नई पार्टियों को शामिल करते हुए चार बार चुनावों का सामना कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति का अब तक का इतिहास रहा है कि विधानसभा चुनाव के लिए बना गठबंधन अगले चुनाव तक कभी टिक नहीं पाया। पार्टी ने दावा किया कि सीएम स्टालिन ने अपने अनूठे व्यक्तित्व और सौहार्दपूर्ण स्वभाव से ये नया इतिहास रचा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीएमके ने विपक्षी नेताओं पर भी तीखा हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि विपक्षी नेता पिछले दो साल से गठबंधन टूटने की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन उनकी इच्छाएं अनसुनी रह गईं। डीएमके ने तंज कसते हुए कहा कि एडप्पादी पलानीस्वामी गठबंधन टूटने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन आखिर में वह अकेले रह गए। पार्टी ने दावा किया कि सत्ताधारी दल के समर्थन की लहर को देखते हुए कई नए दल भी इस मोर्चे में शामिल हो रहे हैं।

खामेनेई की मौत पर कश्मीर में उबाल, महबूबा ने अमेरिकी और इजरायली नेताओं के पुतले फूंके

जम्मू (एजेंसी)। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत और तेहरान पर हुए भीषण हमलों की गूंज अब कश्मीर की वादियों में पुरजोर तरीके से सुनाई दे रही है। इस घटनाक्रम ने घाटी के राजनीतिक और सामाजिक माहौल में भारी तनाव पैदा कर दिया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में एक विशाल विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बुराई की ताकत करार दिया और उनके पोस्टरों को आग के हवाले कर दिया।

महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार के रुख पर तीखा हमला बोलते हुए गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अब तक न तो इन हमलों की निंदा की है और न ही ईरान की जनता के प्रति कोई सहानुभूति दिखाई है। भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का हवाला देते हुए उन्होंने याद दिलाया कि ईरान ने हमेशा कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन किया है, जबकि अन्य कई मुस्लिम देश उस समय पाकिस्तान के पाले में खड़े थे। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जब भारत कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा था, तब ईरान ने ही संकट के समय कर्ज पर तेल देकर भारत की मदद की थी। उन्होंने कहा कि ऐसे वफादार दोस्त के मुश्किल वक्त में भारतीय नेतृत्व की खामोशी अत्यंत दुखद है। विरोध प्रदर्शन के दौरान महबूबा मुफ्ती ने वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने प्रशासन द्वारा श्रीनगर के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी और पूर्व मेयर जुनैद अजीम मट्टू के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को तुरंत वापस लेने की मांग की। महबूबा ने आरोप लगाया कि पिछले तीन दिनों में विरोध प्रदर्शन करने वाली कई युवा लड़कियों और आम नागरिकों को हिरासत में लेकर जेल में डाल दिया गया है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में हर नागरिक को विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है और सरकार सबको चुप रहने पर मजबूर नहीं कर सकती। महबूबा मुफ्ती ने स्पष्ट किया कि कश्मीर के लोग और वैश्विक मुस्लिम समुदाय इस घड़ी में पूरी तरह ईरान के साथ खड़े हैं। उन्होंने मारे गए लोगों को शहीद बताते हुए उनकी बहादुरी को नमन किया। हालांकि, स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने कश्मीरी युवाओं से एक भावुक अपील भी की। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण होना चाहिए, क्योंकि कश्मीर की अर्थव्यवस्था और पर्यटन अभी पटरी पर लौटना शुरू हुए हैं और किसी भी हिंसा से इन्हें नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। इस बीच, घाटी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और शिया बहुल इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है।

देशभर में बम धमाकों की धमकी देने का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

अहमदाबाद साइबर पुलिस के बाद अब मुंबई पुलिस ने लिया हिरासत में

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के स्कूलों, स्टॉक एक्सचेंज और मेट्रो स्टेशनों समेत देश के विभिन्न स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी देकर दहशत फैलाने वाले आरोपी को मुंबई पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पिछले कुछ दिनों में देश के करीब 50 स्थानों को धमकी भरे ईमेल भेजे थे।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के न्यू बराकपुर निवासी सौरव विश्वास (28) के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पिछले पांच दिनों के दौरान मुंबई, दिल्ली, गुजरात सहित कई राज्यों के महत्वपूर्ण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को बम धमाके की धमकी भेजी थी, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया था।

पुलिस के अनुसार 27 फरवरी को सुबह करीब 8:46 बजे इंटरनेट के माध्यम से मुंबई के कई स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था। ईमेल में अगले दो दिनों के भीतर बम विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं और कई स्थानों पर जांच अभियान चलाया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई के दिंडोशी पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और ईमेल ट्रैकिंग की मदद से आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। जांच के दौरान पता चला कि धमकी भरा ईमेल पश्चिम बंगाल के न्यू बराकपुर इलाके से भेजा गया था। इसके बाद दिंडोशी पुलिस की एक विशेष टीम आरोपी की तलाश में पश्चिम बंगाल पहुंची। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी इससे पहले 16 फरवरी 2026 को अहमदाबाद में भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल भेज चुका था। अहमदाबाद साइबर पुलिस ने उस मामले में पहले ही केस दर्ज कर रखा था और 1 मार्च 2026 को सौरव विश्वास को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद मुंबई पुलिस ने आरोपी को अहमदाबाद से अपनी हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने यह धमकी भरे संदेश महज अफरा-तफरी फैलाने के उद्देश्य से भेजे थे या इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क या साजिश का हाथ है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की गहराई से पड़ताल कर रही हैं।

खाड़ी देशों में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को वापस लाने हेतु उठाए जा रहे कदम, मंगलवार को मुंबई पहुंचे 164 नागरिक

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में युद्ध जैसे हालात दिन-ब-दिन खतरनाक होते जा रहे हैं। इजरायल-अमेरिका का ईरान के साथ चल रहा युद्ध इस समय पूरी दुनिया में फैल रहा है। इस युद्ध जैसे माहौल में एयरस्पेस बंद होने की वजह से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पहल करते हुए दुबई और यूएई में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को वापस लाने के लिए तुरंत कदम उठाए। इस मुश्किल हालात में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों की मदद के लिए मंगलवार रात दो विशेष विमानों का इंतज़ाम किया गया और 164 नागरिकों को सुरक्षित घर वापस लाया गया। मुंबई में सुरक्षित लौटे यात्रियों ने प्रशासन का शुक्रिया अदा करने के बाद जो अनुभव बताए, उनमें से कुछ बहुत डरावने और दिल दहला देने वाले थे। इनमें से एक युवक कहा कि वह मुंबई से अमेरिका जा रहा था। इस फ्लाइट में दुबई से उसकी कनेक्टिंग फ्लाइट थी। वह दूसरे यात्रियों के साथ उसमें बैठा भी था। हालांकि, प्लेन काफी देर तक रनवे के पास टेक-ऑफ का इंतज़ार करता रहा। कभी-कभी उन्हें तकनीकि खराबी का कारण बताया गया। हालांकि, कुछ देर बाद प्लेन को वापस टर्मिनल पर डायवर्ट कर दिया गया और सभी को उनके सामान के साथ उतार दिया गया। कुछ घंटों के इंतज़ार के बाद, उन्हें बताया गया कि युद्ध के हालात की वजह से सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं। उसके बाद, एयरलाइन ने तुरंत एयरपोर्ट पर बसें भेजीं और कहा कि वे सभी पैसेंजर्स को एयरपोर्ट से होटल ले जा रहे हैं। उधर पूरे दुबई में टेंशन का माहौल था। होटल ढूंढने में भी कुछ घंटे लग गए। कई लोगों को बहुत परेशानी हुई, जिन्हें कमरा नहीं मिला, उन्हें होटल की लॉबी में सोफे पर सोना पड़ा। राहुल ने कहा कि कई भारतीय अभी भी वहां फंसे हुए हैं। इसलिए, इन पैसेंजर्स की दी गई जानकारी से यह साफ है कि इस युद्ध की वजह से इंटरनेशनल टूरिस्ट्स को बहुत परेशानी हुई है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने खाड़ी देश में फंसे महाराष्ट्र के लोगों के लिए एयरलाइन स्टार एयर की दो स्पेशल फ्लाइट्स रिजर्व की थीं। रविवार दोपहर को दो फ्लाइट्स ने फुजैरा एयरपोर्ट से कुछ ही मिनटों के अंदर उड़ान भरी। इन दोनों फ्लाइट्स से कुल 164 पैसेंजर मंगलवार रात करीब 10 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे। इनमें पुणे के इंदिरा स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज के 84 स्टूडेंट्स और ठाणे, मुरबाड, अहिल्यानगर वगैरह के नागरिक शामिल थे। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने इन लोगों से फोन पर बात की थी और उन्हें भरोसा दिलाया था। एकनाथ शिंदे ने वादा किया था, आप सब सुरक्षित हैं, चिंता न करें, महाराष्ट्र सरकार और मैं खुद आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। आपको सुरक्षित वापस अपने देश लाने की पूरी कोशिश की जाएगी। इसके बाद, उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों के लगातार संपर्क में रहकर इन 164 यात्रियों को वापस उनके देश लाकर अपना वादा निभाया।

उधर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय से भी फंसे हुए नागरिकों को भारत वापस लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने फंसे हुए नागरिकों की मदद के लिए एक खास वॉट्सऐप नंबर जारी किया है। राज्य सरकार ने फंसे हुए यात्रियों से मदद के लिए उस नंबर पर संपर्क करने की अपील की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ऑफिस ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। इस पोस्ट में लिखा है कि खाड़ी देशों में पैदा हुए युद्ध के हालात की वजह से वहां फंसे महाराष्ट्र के अलग-अलग नागरिकों से राज्य सरकार संपर्क में है। खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार अलग-अलग एजेंसियों के संपर्क में हैं और केंद्र सरकार से भी लगातार संपर्क में हैं।